RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:156 ता. 16 दिसम्बर 2022, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सरिस्का बाघ परियोजना में बसे गांव का विस्थापन प्रक्रिया में आई तेजी

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ परियोजना में बसे गांव का विस्थापन प्रक्रिया में इन दिनों तेजी आई है और इसमें सरिस्का के शीर्ष अधिकारी लगे हुए हैं । सरिस्का में बसे 29 गांव में से पांच गांव का पूर्व में ही विस्थापन कर दिया था लेकिन बाकी के गांव में से छह गांव में इन दिनों सतत प्रक्रिया शुरू है और यह प्रक्रिया काफी युद्ध स्तर पर चल रही है लेकिन जमीन अभाव के कारण इसमें गति आशा के अनुरूप नहीं मिल पा रही है । सरिस्का के उप वन संरक्षक जगदीश दहिया ने बताया कि 11 गांव में 1151 परिवारों में से 848 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। गत दो साल में सबसे ज्यादा विस्थापन प्रक्रिया अमल में लाई गई ।इन गांवों में सुकोला, कांकवाडी, ऋशका, हरीपुरा, देवरी और लॉज गांव में विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है। हर महीने किसी न किसी गांव से कुछ परिवार विस्थापन योजना के तहत बसाई जा रहे हैं और इन को सबसे ज्यादा भूमि का पैकेज पसंद आ रहा है। उन्होंने बताया कि सूकोला में 65 परिवारों में से 41 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। काकवाडी में 171 परिवारों में से 143 परिवारों विस्थापित कर दिया गया है ऋास्का गांव में 206 परिवारों में से 125 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। यहां 39 परिवार विस्थापन की प्रकीर्य में है। हरीपुरा अब मैं 78 में से 50 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। छह परिवार विस्थापन की प्रक्रिया में हैं इसी तरह देवरी गांव में 190 परिवारों में से 94 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। चार परिवार विस्थापन की प्रक्रिया में हैं। लॉज गांव में 124 परिवारों में से 76 परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है 43 परिवार विस्थापन की प्रक्रिया में हैं। जिसमें विस्थापन सहमति देने के उपरांत ही परिवारों के विस्थापन किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। यह प्रक्रिया वर्ष 2008 से शुरू हुई थी जिसमें भगानी ,रोटक्याला, उमरी ,पानी डाल और डाबली को पूर्व में ही विस्थापित कर दिया गया था।

चीन पर नेहरू के दौर की गलती याद दिला मनीष तिवारी की एस. जयशंकर को सलाह

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि एक देश जिसने अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन की मेजबानी की और अपने पड़ोसी देश की संसद पर हमला किया, उसके पास संयुक्त राष्ट्र में उपदेश देने की साख नहीं है। विदेश मंत्री के इस बयान पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू की सरकार में रक्षा मंत्री रहे कृष्ण मेनन वाली गलती नहीं करने की सलाह दी है। मनीष तिवारी ने ट्वीट कर कहा, विदेश मंत्री एस जयशंकर को शायद भारतीय इतिहास और कूटनीति के कुछ अध्यायों पर दोबारा गौर करना चाहिए। दुर्भाग्य से वे वही गलती कर रहे हैं जो रक्षा मंत्री कृष्णा मेनन ने की थी। जब खतरा चीन से है तो वह पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं! आपको बता दें कि मनीष तिवारी ने चीन के साथ सीमा की स्थिति पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है।

क्या कहा था जयशंकर ने?

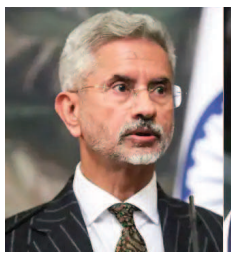

आपको बता दें कि मनीष तिवारी ने चीन के साथ सीमा की स्थिति पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने बुधवार को पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा कि एक देश जिसने अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन की मेजबानी की और अपने पड़ोसी देश की संसद पर हमला किया, उसके पास संयुक्त राष्ट्र में उपदेश देने की साख नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया जिसे अस्वीकार्य मानती है, उसे सही ठहराने का सवाल ही नहीं उठना चाहिए। यह निश्चित रूप से सीमा पार आतंकवाद के राज्य प्रायोजन पर लागू होता है। न ही ओसामा बिन लादेन की मेजबानी करना और पड़ोसी देश की संसद पर हमला करना इस परिषद के सामने उपदेश देने के लिए प्रमाणिकता के रूप में काम कर सकता है।

संसद में उठा चीनी अतिक्रमण का मुद्दा, विपक्ष ने किया दोनों सदनों से वॉकआउट

बुधवार को संसद में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारत एवं चीन के सैनिकों के बीच पिछले दिनों हुई झड़प के मुद्दे को फिर उठाया और इस पर चर्चा कराने की मांग की। दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं मिलने पर विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने वॉकआउट किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने शून्यकाल में चीनी अतिक्रमण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा, हमने कल भी इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। जो चीनी अतिक्रमण हुआ है, उसके बारे में हम विस्तृत चर्चा चाहते हैं। हमारी कोशिश रही है कि सदन को पूरी जानकारी मिले, देश के लोगों को भी जानकारी मिले कि वहां की वास्तविक स्थिति क्या है।

तवांग झड़प पर रक्षा मंत्रा का बयान

इससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा एवं राज्यसभा में स्वतः आधार पर दिये गये अपने बयान में बताया था कि चीन के सैनिकों ने नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर में यांग्त्से क्षेत्र में यथास्थिति बदलने का एकतरफा प्रयास किया जिसका भारत के जवानों ने दृढ़ता से जवाब दिया और उन्हें लौटने के लिए मजबूर किया। रक्षा मंत्री ने यह भी सूचना दी थी कि इस झड़प में किसी भी सैनिक की मृत्यु नहीं हुई है और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे को चीनी पक्ष के साथ कूटनीतिक स्तर पर भी उठाया गया है और इस तरह की कार्रवाई के लिये मना किया गया है।

राहुल की यात्रा गुरुवार को दौसा जिले में सुबह गोलिया से हुई शुरू

दौसा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आज ग्यारहवें दिन सुबह छह बजे दौसा जिले में लालसोट के गोलिया गांव से शुरू हुई। यात्रा का आज 99वां दिन है और कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं सहित लोगों में इसके प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा के रास्ते में लोगों यात्रा का जोरदार स्वागत किया और लोग रास्ते, घरों के बाहर, घरों की छत्तों एवं पेड़ों पर चढ़े और चारों ओर लोगों की भीड़ नजर आई। यात्रा में कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा, पर्व मंत्री एवं विधायक हरीश चौधरी सहित कई पार्टी नेता श्री राहुल गांधी के साथ चल रहे है। यात्रा लालसोट क्षेत्र में एक स्थान पर दोपहर का विश्राम होगा जहां श्री राहुल गांधी किसानों के साथ चर्चा करेंगे। इसके बाद अपराह्न साढ़े तीन बजे यात्रा का आज का दूसरा चरण शुरू होगा और शाम साढ़े छह बजे यात्रा मोलाई गांव पहुंचेगी और नांगल राजावतान में यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

आजम के रामपुर में सपा की चुप्पी, बीजेपी की बढ़ी डिमांड, निकाय चुनाव में एक वार्ड से 5-5 दावेदार

रामपुर। उपचुनाव में सपा की हार के आजम खान के गढ़ रामपुर में बीजेपी की डिमांड बढ़ी है। एक-एक वार्ड में कहीं चार तो कहीं छह लोग टिकट के लिए दावेदारी जता रहे हैं। सबसे लंबी लिस्ट भारतीय जनता पार्टी के पास हो गई है। यहां दावेदारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। भाजपा की तरह ही कांग्रेस से भी टिकट लेने वालों की संख्या बढ़ी हुई है। बसपा भी इसमें पीछे नजर नहीं आ रही है। वहीं सपा अभी खमोश नजर आ रही है।

हालांकि अभी निकाय चुनाव घोषित नहीं हुए हैं,लेकिन सियासी दलों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। सियासी दल निकाय चुनाव को लेकर सक्रिय हो गए हैं। रामपुर के 11 निकायों में 231 वार्डों में चुनाव होना है। इसके अलावा अध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव होना है। निकाय चुनाव में दावेदारी जताने वाले लोगों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। सभासद पद के लिए हर मुहल्ले व वार्ड से दावेदार निकलकर आ रहे हैं। सबसे ज्यादा डिमांड भाजपा के टिकट की है। शहर विधानसभा सीट पर भाजपा का कब्जा हो जाने के बाद सभासद पद के प्रत्याशियों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। शहर के 43 वाडों की बात की जाए तो शहर में हर वार्ड से पांच-छह लोग अपनी दावेदारी जता रहे हैं। यह सभी दावेदार अपने बड़े नेताओं का जोर लगा रहे हैं। यह अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे हैं। साथ ही समझाने की कोशिश में

लगे हैं कि वह गारंटी के साथ चुनाव भी जीत सकते हैं। भाजपा की तरह ही कांग्रेस से भी टिकट लेने वालों की संख्या बढ़ी हुई है। बसपा भी इसमें पीछे नजर नहीं आ रही है। फिलहाल सपा अभी खमोश नजर आ रही है।

'आसमान नहीं गिर जाएगा...' रिलायंस इंडस्ट्री से जुड़े केस में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस इंडस्ट्री से जुड़े एक केस की त्वरित सुनवाई की अर्जी पर केंद्र सरकार को बुरी तरह फटकार लगाई है और कहा है कि इससे आसमान नहीं गिर जाएगा। दरअसल, कृष्णा-गोदावरी बेसिन के डी6 ब्लॉक में 400 मिलियन डॉलर के प्राकृतिक गैस की खोज से जुड़े रिलायंस इंडस्ट्रीज,बीपी एक्सप्लोरेशन और निको रिसोर्सेज के विवाद में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता कार्यवाही की शुरुआत होनी है लेकिन उससे पहले केंद्र सरकार ने इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में घसीट लिया है। RIL की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने CJI जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ के समक्ष RIL और दो विदेशी कंपनियों की तरफ से दायर उस याचिका का उल्लेख किया, जिसमें दिसंबर और जनवरी के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को रोकने के लिए सरकार द्वारा अंतिम समय में उठाए गए कदम और रणनीति

पर सवाल उठाया गया है। साल्वे ने कहा कि यूके और ऑस्ट्रेलिया के दो मध्यस्थों के साथ-साथ विदेशी कंपनियों के विशेषज्ञ भारत में हैं, लेकिन सरकार द्वारा नामित मध्यस्थ पूर्व सीजेआई वीएन खरे उनके लिए ही मायावी साबित हो रहे हैं। इससे तो 11 साल पुराने विवाद के समाधान पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। बंगाल की खाड़ी में स्थित KG-D6 ब्लॉक के धीरूभाई-1 और 3 अन्य गैस क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस का उत्पादन 2010 में यानी दूसरे वर्ष से ही कंपनी के अनुमानों से कम होना शुरू हो गया था। इसके बाद इस क्षेत्र ने फरवरी 2020 में अपने अनुमानित अवधि से बहुत पहले ही उत्पादन करना बंद कर दिया। सरकार ने इस घटना के लिए कंपनी पर अनुमोदित विकास योजना का पालन नहीं करने का आरोप लगाया और 3 बिलियन से अधिक की लागत को अस्वीकार कर दिया था। कंपनी ने इस पर आपत्ति जताई और सरकार को मध्यस्थता में घसीटा। सरकार की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एके गांगुली ने कहा कि दोनों मध्यस्थों के खिलाफ सरकार के पक्षपातपूर्ण आरोप को खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के फैसले के खिलाफ एक अपील उच्चतम न्यायालय में लंबित है। और अगर मध्यस्थता जनवरी या फरवरी के लिए पुनर्निर्धारित की जाती है तो आसमान तो नहीं गिरेगा लेकिन इसके बड़े पैमाने पर जनता पर गंभीर परिणाम होंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर आज से घटी स्पीड लिमिट

दिल्ली। सर्दी का मौसम शुरू होने पर कोहरा पड़ने लगता है जिससे सड़कों पर दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने वाहनों की स्पीड को कम रखने का निर्णय लिया है। यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी ने हल्के वाहनों के लिए स्पीड लिमिट को 100 किलोमीटर प्रतिघंटे से घटाकर 80 किलोमीटर प्रतिघंटे और भारी वाहनों की स्पीड लिमिट को 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रतिघंटे कर दिया है। यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी का यह नियम आज, 15 दिसंबर से लागू होकर 15 फरवरी 2023 तक जारी रहेगा। अथॉरिटी ने यह निर्णय कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए किया है। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों का 2000 रुपए तक का चालान कटने का प्रावधान किया गया है।

चालान नहीं भरने पर रद्द किया जा सकता है लाइसेंस-यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड नियमों का उल्लंघन करने पर चालान का प्रावधान है। यदि चालान नहीं भरा जाता है तो आपका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के सीईओ, अरुण वीर सिंह ने कहा कि,÷हमने यमुना एक्सप्रेसवे पर चलने वालों की सुरक्षा के लिए हल्के और भारी वाहनों के लिए स्पीड लिमिट कम करने का निर्णय लिया है, कम स्पीड की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे पर चलना पहले से ज्यादा सुरक्षित हो जाएगा

नींद के कारण होती हैं 45 प्रतिशत दूर्घटनाएं-यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के डाटा के अनुसार, एक्सप्रेसवे पर 45 प्रतिशत से ज्यादा दूर्घटनाएं गाड़ी चलाने वालों के सो जाने के कारण होती हैं। अथॉरिटी के डाटा में ही बताया गया है कि, एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की वजह से 11 प्रतिशत और ओवरस्पीडिंग की वजह से 19 प्रतिशत दूर्घटनाएं होती हैं।

तीन सालों से लड़कों के बजाय लड़कियों को अधिक लिया गया गोद : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में बताया कि इस प्रक्रिया का पालन करने के लिए अगर और मां-बाप रहेंगे तो एक अनाथ बच्चे को गोद लिए जाने के लिए अत्यधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पिछले तीन सालों में बच्चा गोद लेने की तस्वीर बदली है। अब पिछले तीन सालों से लड़कों के मुकाबले लड़कियों को अधिक गोद लिया जाता है।

लड़कियों को ज्यादा लिया गया गोद-प्रश्नकाल में अनुपूरक सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि गोद लेने वाले माता-पिता को भले ही इंतजार करना पड़े, लेकिन अब बच्चे

को गोद लिए जाने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अगर अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए अधिक मां-बाप होंगे तो बच्चों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह किसी भी समाज के लिए अच्छे संकेत हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले तीन सालों से लड़कों के मुकाबले लड़कियों को अधिक गोद लिया गया है। हमारे देश में वर्ष 2019-20 में 1400 लड़कों और 1938 लड़कियों को गोद लिया गया। इसीतरह, वर्ष 2020-21 में 1200 लड़कों और 1856 लड़कियों को गोद लिया गया। 2021-22 में 1293 लड़कों और 1690 लड़कियों को गोद लिया गया है। इन सभी लोगों ने देवी लक्ष्मी को गोद लिया है। केंद्रीय मंत्री ने अपने लिखित जवाब में बताया कि गोद लेने की अदालती प्रक्रिया इतनी लंबी होती थी कि बच्चे को कानूनी रूप से गोद लेने में मां-बाप को औसत समय भी दो से साढ़े तीन साल तक लग जाता था।

कुपोषण के कारण एक भी मौत नहीं-मंत्रालय ने अब इस समय को घटाने के लिए कानून में एक संशोधन का प्रस्ताव किया है। उन्होंने सदन को बताया कि हमारे हाई कोर्टों में इस संबंध में 900 केस लंबित थे, इसलिए इस साल 23 सितंबर को एक नए नियम को अधिसूचित किया गया है। नए प्रस्ताव के बाद 580 से अधिक बच्चों को गोद लिया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि जिन बच्चों की आयु थोड़ी अधिक हो गई हैं और जिन्हें नया परिवार दिलाना मुश्किल होता है, उनके लिए भी एनआरआइ और ओसीआइ कार्ड धारक आगे आ रहे हैं। पिछले सात दिनों में ही 42 ऐसे बच्चों को अनिवासी परिवार मिल गए हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बताया कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में कुपोषण के कारण एक भी मौत नहीं हुई है।

दिल्ली में बढ़ी ठंड, दक्षिण के कई राज्यों में बारिश का कहर

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के अधिकतर हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिन के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है ।

वहीं भारत के कुछ इलाकों में भारी बारिश का कहर जारी है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दक्षिण पूर्व अरब सागर पर एक लो प्रेशर का क्षेत्र निर्मित हुआ है। जिसके भारत के तट से पश्चिम उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना जताई गई है। 14 दिसंबर की सुबह तक आसपास के दक्षिणी पूर्व सागर पर एक कम दबाव का क्षेत्र निर्मित होगा। 15 दिसंबर की सुबह तक इसके डिप्रेशन में बदलने की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर केरल और कर्नाटक के तटों से पूर्व मध्य और आसपास के दक्षिण पूर्व अरब सागर पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। दिसंबर के दौरान अरब सागर में अधिकांश मौसम प्रणालियों का उद्गम बंगाल की खाड़ी के ऊपर होता है। यह कम दबाव दिसंबर के पहले सप्ताह के दौरान खाड़ी के ऊपर बने चक्रवात मंडस का अवशेष है। इस बीच, मध्य क्षोभमंडल स्तरों में दक्षिण अंडमान सागर और इससे सटे मलक्का जलडमरूमध्य और सुमात्रा पर एक और चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

दक्षिण के राज्य में बारिश रहेगी जारी

दिल्ली में ठंड बढ़ने का सिलसिला जारी किया गया है जबकि दक्षिण के राज्य में बारिश जारी रहेगी। मध्य अरब सागर के ऊपर एक

कम दबाव का क्षेत्र निर्मित हो रहा है, जिसके जल्द ही तीव्र होने की संभावना नजर आ रही है। इसके तीव्र होते फिर से दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश का कहर देखने को मिलेगा। हालांकि इससे पहले चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से दक्षिण पूर्व और उत्तरी केरल और कर्नाटक तट पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र निर्मित हुआ है।

साइक्लोनिक सरकुलेशन भी हो रहा तैयार

मध्य अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव के अलावा मध्य क्षोभ मंडल स्तर से दक्षिण सागर और इससे सटे सुमात्रा पर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन भी तैयार हुआ है। 15 दिसंबर को निकोबार दीप समूह में भारी बारिश के साथ काफी भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। श्रीलंका की और पश्चिम की तरफ बढ़ने की भविष्यवाणी के साथ ही 18 दिसंबर को तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के तट पर भारी बारिश देखने को मिलेगी।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में आज, 15 नवंबर को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री तक रह सकता है। वहीं, दिल्ली में आज आसमान साफ रहने की संभावना है।

कश्मीर में एक बार पारा फिर शून्य से नीचे

पूरे कश्मीर में एक बार पारा फिर शून्य से नीचे चला गया है। घाटी शीतलहर की चपेट में है। 21 दिसंबर तक मौसम शुष्क ही रहेगा, जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट का सिलसिला जारी रहेगी। रात ठिठुराती रहेगी।

जम्मू में भी कड़ाके की ठंड

वहीं जम्मू में भी दिन को खिली धूप मजा तो दे रही है, लेकिन शाम होते ही ठंडी हवा ठिठुराने लगती है। मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिली जानकारी अनुसार 21 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा। बीच-बीच में उच्च पर्वतीय क्षेत्रों पर हल्की बर्फबारी की संभावना है। इससे शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा।

डबल इंजन की सरकार में नहीं हुआ कोई फैसला

-महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद यथावत

नई दिल्ली ।कर्नाटक में भाजपा की सरकार है. महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की सरकार है. इसके बाद भी महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद लगातार उग्र होता जा रहा है.केंद्र में भी भाजपा की सरकार है. कर्नाटक में अगले कुछ माह में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा विवाद को निपटाने के लिए एक बैठक बुलाई थी. लेकिन यह बैठक भी बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई. गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोममई और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बैठक की थी. जब कोई हल नहीं निकला तब इस निर्देश के साथ कि जब तक सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आता है. तब तक दोनों ही राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में शांति बनाए रखेंगी. जो लोग शांति को बाधित करने की कोशिश करें. उनके ऊपर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए.दोनों राज्यों में समाधान या तो बातचीत से हो या सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करें. दोनों राज्यों में डबल इंजन की सरकारें होने के बावजूद भी मामले का कोई हल नहीं निकलना दोनों राज्यों में राजनीतिक दृष्टि से परेशान करने वाला है. कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा विवाद का मामला अगले विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से असर डालने वाला साबित होगा.

ईडी की पूछताछ में मुख्तार अंसारी ने नहीं दिया कोई संतोषजनक जबाव

प्रयागराज ।पूर्वांचल के माफिया डॉन पूर्व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी की ईडी की कस्टडी रिमांड के पहले दिन उससे दो बिंदुओं पर लंबी पूछताछ हुई।हालांकि अंसारी ने कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया।पहला सवाल उनकी फरार पत्नी को लेकर था और दूसरा गाजीपुर जिले में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर किया गया। ईडी की दो अलग-अलग टीमों ने मुख्तार से पूछताछ की।एक टीम ने शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक बयान लिया. दूसरी टीम ने रात 11 बजे से सुबह करीब 4 बजे तक पूछताछ की।पूछताछ के दौरान मुख्तार के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई है।अंसारी से पहले दिन मुख्य रूप से 2 बिंदुओं पर पूछताछ की गई। पिछले कई महीनों से फरार चल रही पत्नी अफशां अंसारी के बारे में पूछताछ की गई। ईडी की टीम ने यह जानने की कोशिश की कि अफशां अंसारी कहां है और वह बयान दर्ज कराने के लिए जांच एजेंसी के सामने क्यों नहीं आ रही हैं।सूत्रों के मुताबिक अंसारी ने ईडी को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।वह बार-बार यही कहता रहा कि वह जेल में बंद है और उसे पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

एनसीपी कार्यकर्ता के साथ भागी पत्नी इसलिए शरद पवार को दे दी जान से मरने की धमकी

-पुलिस की पूछताछ में हुआ खुलासा

मुंबई।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के आवास पर फोन कर धमकी देने के आरोप में बिहार से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।पवार को धमकी क्यों दी पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तब हैरान करने वाला खुलासा हुआ।पुलिस ने बताया कि आरोपी शरद पवार से भड़का था क्योंकि उसकी पत्नी एनसीपी वर्कर के साथ भागी थी और एनसीपी प्रमुख ने कोई एक्शन नहीं लिया था।पुलिस के मुताबिक उसकी मानसिक स्थिति ठीक नही है।पुलिस के मुताबिक 46 वर्षीय सोनी गुस्से में था क्योंकि पुणे में उसकी पत्नी के एक एनसीपी कार्यकर्ता के साथ भाग जाने के मामले में शरद पवार ने हस्तक्षेप नहीं किया था।आरोपी नारायण सोनी को बुधवार मुंबई लाकर कोर्ट के समक्ष पेश किया गया जहां से सोनी दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।दरअसल आरोपी सोनी कथित तौर पर पिछले तीन-चार महीने से पवार के 'सिल्वर ओक नामक आवास पर फोन कर रहा था।पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी असभ्य भाषा का इस्तेमाल करता था और कुछ मौकों पर उसने ड्यूटी पर मौजूद कांस्टेबल को 'मुंबई आके देसी कट्टे से उड़ा दूंगा' कहा था।पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर से उसकी पहचान कर उस चेतावनी दी थी।मगर इसके बावजूद आरोपी फोन करता रहा इसलिए भारतीय दंड संहिता की धारा 294 (असभ्य कृत्य) और 506-2 (आपराधिक धमकी) सहित संबंधित धाराओं के तहत सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गई।

दुबई से भारत लाया गया गैंगस्टर विकास लगरपुरिया

नई दिल्ली ।30 करोड़ की चोरी के मास्टरमाइंड गैंगस्टर विकास लगरपुरिया को दुबई से भारत लाया गया है। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर गैंगस्टर लगरपुरिया की कस्टडी को लेकर गुरुग्राम और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के बीच लंबी बातचीत चली। अंततः काफी विचार विमर्श के बाद गुरुग्राम पुलिस को कस्टडी सौंपी गई।गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल के पास अगस्त 2021 में हुई लगभग 30 करोड़ नकदी की चोरी के मामले में लगरपुरिया मास्टरमाइंड है। खेड़की दौला में हुई करोड़ों रुपये की हाईप्रोफाइल चोरी में पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था।जिससे पूछताछ में पता चला था कि लगरपुरिया चोरी का मास्टरमाइंड है। गैंगस्टर लगरपुरिया पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक लाख का इनाम रखा हुआ था। बताया गया गैंगस्टर के दुबई में होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद रेड कॉर्नर सर्कुलर जारी किया गया था।जहां से गिरफ्तार कर भारत लाया गया है।

80 लाख पर्यटक कश्मीर आए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा ये मोदी सरकार के प्रयासों से हुआ

नई दिल्ली ।केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि दशकों बाद जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन का माहौल लौटा हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र में पर्यटन सम्पर्क सहित आर्थिक विकास के लिये प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी के प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।सांसद मसूदी ने कहा कि इस साल 80 लाख पर्यटक कश्मीर में आए लेकिन श्रीनगर हवाई अड्डे की क्षमता इतनी अधिक नहीं है क्योंकि 110 उड़ान आ रही हैं।उन्होंने पूछा कि इसके बाद क्या सरकार अवंतीपुरा हवाई अड्डे को परिचालन में लाने का विचार करेगी ? इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि कश्मीर में माहौल अच्छा हुआ है और इतनी अधिक संख्या में उड़ान आ रही हैं।वहींसिंधिया ने कहा जो हमारे सरकार की प्रतिबद्धता रही है वहीं जम्मू-कश्मीर में हमारे द्वारा जिस तरह का वातावरण तैयार किया है उससे वहां न केवल आर्थिक प्रगति एवं विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है बल्कि यह क्षेत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की दृष्टि से ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा '' सालों और दशकों बाद इस क्षेत्र में अमन चैन का माहौल एवं आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में प्रशस्त हुआ है। '' सिंधिया ने बताया कि श्रीनगर में स्थित हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 1000 करोड़ रूपये की लागत से काम हो रहा है ताकि इस आधुनिक एवं सुविधा संपन्न बना सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 800 करोड़ रूपये की लागत से जम्मू स्थित हवाई अड्डे का विस्तार हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां तक अवंतीपुरा हवाई अड्डे का सवाल है इसके बारे में जम्मू कश्मीर की सरकार से चर्चा चल रही है।

श्रमिकों की चिकित्सा सेवा सुगम हो ऐसा सिस्टम बना रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।केंद्र सरकार ऐसा सिस्टम बनाने पर ध्यान दे रही है जिसमें श्रमिकों

की चिकित्सा सेवा तक सुगम पहुंच हो।केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह बात कही। श्रम मंत्री ने कहा कि चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना समाज की सेवा करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश के श्रमिकों तक चिकित्सा सेवाओं की सुगम पहुंच बनाने के लिए अवसंरचना तैयार करने पर ध्यान दे रही है। कार्यक्रम में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कोरोना के दौरान ईएसआईसी के चिकित्सकों एवं अर्द्धचिकित्सा कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

16 दिसंबर को आखिर क्या होने वाला है जिसे भारत ने दुनिया से छिपाया, भनक लगने पर चीन घबराया,

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ ऐसी बातें होती हैं जो आप दुनिया को बताओ या न बताओ लेकिन किसी न किसी माध्यम से वो दुनिया को पता चल ही जाती है। भारत की अग्नि-5 मिसाइल की ताकत जिसकी जद में पूरा बीजिंग समा सकता है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीन की करारी हार के बाद वो बहुत बिफरा हुआ नजर आ रहा है। तवांग में भारतीय जवानों से पिटने के बाद चीन अब अंतरराष्ट्रीय समुदायों के निशाने पर भी आ गया है। विस्तारवादी चीन के खिलाफ दुनिया के कई देश अब एक हो रहे हैं। सुपरपावर अमेरिका ने तो घुसपैठ को चीन की आदत करार दिया है।

हिंद महासागर में नाविकों के लिए पहले से नोटैम जारी

अब भारत ने चीन की टेंशन को और बढ़ाने का काम कर दिया है। भारत की अग्नि-5 ने बीजिंग को चिंतित कर दिया है। खबर है कि 15-16 दिसंबर के बीच अग्नि-5 की टेस्टिंग हो सकती है। हिंद महासागर में नाविकों के लिए पहले ही नोटैम जारी कर दिया गया है। भारत की मिसाइल क्षमता को लेकर किए जा रहे दावों ने चीन की टेंशन को बढ़ाने का काम कर दिया है।

भारत की अग्नि-5 दुश्मनों की काल

भारत की अग्नि-5 दुश्मनों के लिए कितनी घातक साबित हो सकती है इसके बारे में भी बता देते हैं। ये लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली ये बैलस्टिक मिसाइल है। 5 हजार किलोमीटर तक ये टारगेट को मारने में सक्षम है। इसकी रेंज में पूरा चीन आ सकता है। इसके अलावा अफ्रीका और यूरोप के कुछ हिस्से भी इसकी जद में आते हैं। परमाणु क्षमता से लैस अग्नि-5 में 1500 किलो वॉरहेड ले जाने में भी सक्षम है। 29401 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ये दुश्मन पर वार कर सकता है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, फ्रांस, इजरायल और उत्तर कोरिया के बाद इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल रखने वाला भारत आठवां देश है। अग्नि 1, 2, 3 और 4 पहले ही सेना में कमीशन किए जा चुके हैं।

बिहार: भाजपा पर बरसे तेजस्वी, कहा- इनके पास कोई मुद्दा नहीं, ये 2024 को लेकर डरे हुए हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा में जहरीली शराब पीने से लगभग 40 लोगों की मौत हो गई है। इसको लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से नीतीश सरकार पर हमलावर है। इन सबके बीच भाजपा पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। उन्होंने भाजपा पर नाटक करने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी छपरा में शराबकांड हुआ है जिसमें लोगों की मृत्यु हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये लोग (भाजपा) 3-4 महीने पहले कहां थे। जब गोपालगंज कांड हुआ था तब भाजपा वाले मौन धारण किए हुए थे। तब कोई कुछ क्यों नहीं बोल रहा था? आपको बता दें कि जहरीली शराब का मुद्दा भाजपा की ओर से संसद में भी उठाया गया है। इसके अलावा भाजपा विधायकों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी जा रही है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज केवल नाटक कर रहे थे। जब सत्र चल रहा हो तो बीच में इस तरह का नाटक करना उचित नहीं है। दरअसल, इनके पास कोई मुद्दा नहीं है, ये 2024 को लेकर डरे हुए हैं। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि जहरीली शराब से शुरू से लोग मरते हैं, इससे अन्य राज्यों में भी लोग मरते हैं। लोगों को सचेत रहना चाहिए क्योंकि जब शराब बंदी है तो खराब शराब मिलेगी ही। जो शराब पियेगा वो मरेगा। इस पर पूरी तरह से एक्शन होगा। उन्होंने कहा था कि

मैंने अधिकारियों को कहा है कि गरीबों को न पकड़ें जो लोग इसका व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें पकड़ें। शराब बंदी कानून से कई लोगों को फायदा हुआ है कई लोगों ने शराब छोड़ दी है।

भाजपा का पलटवार

बाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि जहरीली शराब की वजह से दूसरे राज्यों में भी लोग मर सकते हैं। आपने(नीतीश कुमार) बिहार में जब शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया, तो फिर कैसे इतनी बड़ी संख्या में लोग मर रहे हैं, इतनी बड़ी संख्या में लोग जेल कैसे जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि हम शराबबंदी के समर्थन में हैं मगर इसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री को इस विफलता की जिम्मेदारी लेकर सदन में और भाजपा के विधायकों से क्षमा मांगनी चाहिए।

छपरा में मृतकों की संख्या 39 हुई, सीएम नीतीश बोले- जो शराब पियेगा वो मरेगा

छपरा में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। इसको लेकर बिहार में राजनीतिक बवाल भी जबरदस्त तरीके से जारी है। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है।बावजूद इसके लोगों की लगातार शराब पीने से मौत हो रही है।यही कारण है कि भाजपा जबरदस्त तरीके से नीतीश कुमार के सरकार पर हमलावर है। इन सब के बीच आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया है कि जो शराब पियेगा वो मरेगा।अपने बयान में नीतीश कुमार ने कहा कि जहरीली शराब से शुरू से लोग मरते हैं, इससे अन्य राज्यों में भी लोग मरते हैं।उन्होंने कहा कि लोगों को सचेत रहना चाहिए क्योंकि जब शराब बंदी है तो खराब शराब मिलेगी ही। जो शराब पियेगा वो मरेगा।इस पर पूरी तरह से एक्शन होगा।इसके साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अधिकारियों को कहा है कि गरीबों को न पकड़ें जो लोग इसका व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें पकड़ें।उन्होंने दावा किया कि शराब बंदी कानून से कई लोगों को फायदा हुआ है कई लोगों ने शराब छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब जहरीली शराब से लोगों की मौत हुई थी तो किसी ने कहा था कि उन्हें मुआवजा दिया जाना चाहिए।यदि कोई शराब पीता है, तो वह मर जाएगा - उदाहरण हमारे सामने है।

जी20 की बैठक को लेकर मुंबई में जबरदस्त साफ-सफाई, झुग्गी-झोपड़ियों को भी किया गया कवर, लोग बोले- ऐसा पहले नहीं हुआ

मुंबई (एजेंसी)। भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले इसको लेकर देशभर में अलग-अलग कई बैठकों का दौर भी चल रहा है। मुंबई में भी तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के लिए 20 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे। जी-20 को लेकर मुंबई में शानदार तैयारी भी की गई है। शहर को सुव्यवस्थित बनाने की कोशिश की गई है। इसके अलावा साफ-सफाई के भी बंदोबस्त कर दिए गए हैं। प्रशासन तैयारियों को लेकर लगातार सक्रिय है। मुंबई से कुछ ऐसी तस्वीरें भी आ रही हैं जो सभी को हैरान कर सकती हैं। दरअसल, मुंबई में शिखर सम्मेलन को लेकर शहर के गरीब इलाकों को चादर से पूरी तरीके से कवर कर दिया गया है। इसे इस तरह से कवर किया गया है ताकि अगर कोई सड़क पर निकले तो उसकी नजर वहां तक ना पहुंचे।

शहर को सुंदर बनाने के लिए लाइटिंग से लेकर सड़कों की साफ-सफाई पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मुंबई का यह रूप देखकर कुछ लोग

हैरान भी हो रहे हैं। उसका कारण यह भी है कि पहले इतनी साफ सफाई और सौंदर्यीकरण नहीं रहती थी। एक निवासी ने तो यह भी बताया है कि रातों-रात कवर लगा दिए गए हैं। पूछने पर पता चला कि कुछ मेहमान आ रहे हैं। इसके अलावा एक और व्यक्ति ने बताया है कि पिछले 50 वर्षों में इस तरह की स्वच्छता अभियान मुंबई में तो नहीं देखी गई है। हालांकि, इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। कुछ लोग सरकार पर सच्चाई को छिपाने की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया और ताज महल पैलेस को पूरी तरीके से सजा दिया गया है।

भारत के अलावा कोई देश नहीं जो चीन से मुकाबला कर सके : जर्मन राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प चिंता का विषय है। जर्मन राजदूत ने कहा कि भारत और जर्मनी दोनों देश रूस और चीन के मुद्दों को लेकर एक-दूसरे से संपर्क में हैं।

यूरोपीय यूनियन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर पूछे सवाल का जवाब देकर जर्मन राजदूत ने कहा हम यह चाहते हैं कि यह समझौता हो। एफटीए के कारण भारत से हमारे व्यापारिक रिश्ते में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिलेगा। एकरमैन ने कहा कि जर्मनी चीन पर बहुत अधिक निर्भर है। हमें बाकी देशों के साथ भी व्यापार बढ़ाना होगा। जर्मन राजदूत ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि भारत हमारी प्राथमिकता में उतना नहीं है जितना होना चाहिए।

जर्मन राजदूत ने दो टूक कहा कि भारत के अलावा कोई अन्य देश नहीं है जो चीन का मुकाबला कर सके।

एलएसी के पास हुई झड़प पर जर्मन राजदूत ने कहा कि हमारे पास इस घटना को लेकर पूरी जानकारी नहीं है। लेकिन हमने जो मीडिया रिपोर्टस में पढ़ा है उससे यह कह सकते हैं कि हम इस लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि मैं जो देख रहा हूं वहां हिंसा है। पहले से ही पश्चिमी देशों में हिंसा है अब पूर्वी क्षेत्र में हिंसा हो रही है। मुझे लगता है कि यह एक चिंता का विषय है। हमें अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर का उल्लंघन करने से हमेशा बचना चाहिए।

विपक्ष और सत्ता पक्ष के सांसदों के हंगाम के भेंढ़ चढ़ गया राज्यसभा में प्रश्नकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में गुरुवार को शून्यकाल विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों और सत्ताधारी सांसदों के हंगामे की भेंट चढ़ गया। हंगामे की वजह से शून्यकाल के दौरान सदन की कार्यवाही दो बार 15-15 मिनट के लिए और एक बार दो मिनट के स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस शिव सेना और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य उच्च अदालतों की नियुक्तियों में सरकार के कथित हस्तक्षेप और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग सहित कुछ अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

हालांकि उपसभापति हरिवंश ने इस बारे में विपक्षी सदस्यों के नियम 267 के तहत दिए गए कार्यस्थगन के नोटिस खारिज किया। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा कांग्रेस के प्रमोद

तिवारी अखिलेश प्रसाद सिंह एल हनुमंथैया जेबी मेथर और सैयद नासिर हुसैन तथा शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने उच्च अदालतों की नियुक्तियों में सरकार के कथित हस्तक्षेप केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग किसानों के आंदोलन से उत्पन्न स्थिति सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए नोटिस दिए थे। नोटिस अस्वीकार किए जाने के बाद विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। इस दौरान सत्ताधारी दल के कुछ सदस्यों ने भी अपने स्थानों पर खड़े होकर कुछ कहने का प्रयास किया। भाजपा सदस्य पूर्ण शराबबंदी लागू कर चुके बिहार राज्य के सारण जिले में कथित रूप से जहरीली शराब पीने से हुई लोगों की मौत का मुद्दा उठाना चाह रहे थे। सदन में व्यवस्था बनते न देख उन्होंने 11 बजकर 18 मिनट पर सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए 11 बजकर 33 मिनट तक स्थगित कर दी।

इसके बाद दोबारा बैठक शुरू हुई तब सदन में वहीं स्थिति थी। विपक्षी सदस्य अपने अपने मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा कर रहे थे वहीं बिहार से भाजपा के सदस्य जहरीली शराब से लोगों की मौत के मुद्दे को उठाने देने की मांग कर रहे थे। अपनी बात का कोई असर न होता देख उपासभापति ने उन्होंने दूसरी बार 11 बजकर 36 मिनट पर बैठक पुनः 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद जब 11 बजकर 50 मिनट पर तीसरी बार कार्यवाही आरंभ हुई तब भी सदन में हंगामा जारी था।

उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर उनकी अर्जी को खारिज करने के एकल न्यायाधीश के निर्णय को चुनौती दी गई थी। उद्धव गुट ने दावा किया कि एकल न्यायाधीश वाली पीठ का 15 नवंबर का फैसला 'त्रुटिपूर्ण' इसलिए इस रद्द किया जाना चाहिए। इस फैसले के तहत न्यायाधीश ने निर्वाचन आयोग को कार्यवाही में तेजी लाने का निर्देश भी दिया था। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कहा हम उपयुक्त आदेश पारित करने वाले हैं। ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि चुनाव चिन्ह पर रोक लगाने संबंधी आदेश जारी करते समय निर्वाचन आयोग ने उनके मुवक्किल का पक्ष नहीं सुना। उन्होंने कहा आयोग के इतिहास में कभी किसी पक्ष को सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया गया है। एकल न्यायाधीश वाली पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि पार्टी में 'फूट' के बाद शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न पर रोक लगाने के निर्वाचन आयोग के फैसले में 'प्रक्रियात्मक उल्लंघन' जैसी कोई बात नहींहै। पीठ ने कहा था कि चुनाव आयोग ने उपचुनावों की घोषणा के कारण चुनाव चिह्न के आवंटन की आवश्यकता को देखकर यह आदेश पारित किया था और याचिकाकर्ता जिसने जरूरी दस्तावेज पेश करने के लिए बार-बार समय मांगा अब न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन का आरोप लगाकर आयोग की आलोचना नहीं कर सकता।

राहुल गांधी पर जेपी नड्डा का निशाना, बोले- वे भारत तेरे टुकड़े होंगे कहने वाले साथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज कर्नाटक के कोप्पल में बीजेपी जिला कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक समय था कि हमें रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस में बैठने को नहीं मिलता था और हमारे पास कार्यालय नहीं था, कार्यकर्ताओं के घर से हमारा कार्यालय चलता था। लेकिन बीएस येदियुरप्पा जी जैसे कार्यकर्ताओं के 4 पीढ़ी को समाप्त करने के बाद आज हम एक साथ 10 कार्यालयों का निर्माण कर रहे हैं और 3 कार्यालयों की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के हर जिले में भाजपा कार्यालय बनाने की कल्पना की। 296 कार्यालय बनाए गए हैं और 210 मार्च 2023 तक पूरा होने जा रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि किसी का तुष्टिकरण नहीं और सभी के लिए न्याय, इसमें हमारा विश्वास है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए हमारी पार्टी परिवार है। हालाँकि, अन्य राजनीतिक दलों के लिए, परिवार ही पार्टी है। हाल ही में पीएम मोदी ने कर्नाटक का दौरा किया और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह भारत की प्रगति और समृद्धि की ट्रेन है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अकेली ऐसी पार्टी है, जो राष्ट्र के विषयों पर राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत भारतीय जनसंघ के समय से काम कर रही है। उन्होंने साफ कहा कि चाहे धारा 370 को समाप्त करना हो, कश्मीर में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो, चाहे गोवा का लिबरेशन मूवमेंट हो, शिमला में पाकिस्तान के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करना हो, या फिर लाला चौक पर तिरंगा फहराना हो, देश के लिए हर काम को भारतीय जनता पार्टी ने किया है।

नड्डा ने कहा कि केम्पेगौड़ा के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा, पीएम द्वारा केम्पेगौड़ा की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया। नया मैंगलोर बंदरगाह क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि हमारी गरीब-समर्थक और महिला-समर्थक योजनाओं ने देश में महिलाओं और गरीबों को सशक्त बनाया है। कर्नाटक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी जेएनयू जाते हैं और उसके साथ खड़े होते हैं, जो नारे लगाते हैं अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं। यही नहीं, जब राहुल गांधी कर्नाटक में घूम रहे थे तो उनके साथ, भारत तेरे टुकड़े होंगे...कहने वाले साथ थे। ऐसे लोग भारत को जोड़ने नहीं, तोड़ने का काम करते हैं।

चीन ने ब्रिटेन से अपने छह राजनयिकों को वापस बुलाया

लंदन । ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने गुरुवार को बताया कि चीनी सरकार ने मैनचेस्टर स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास में हांगकांग लोकतंत्र समर्थक एक प्रदर्शनकारी पर हमले के बाद एक चीनी महावाणिज्यदूत और पांच अन्य कर्मचारियों को वापस बुला लिया है। क्लेवरली ने बताया कि ब्रिटिश पुलिस प्रदर्शनकारी बॉब चेन पर हुए हमले के सिलसिले में इन छह अधिकारियों से पूछताछ करना चाहती थी। बॉब चेन ने आरोप लगाया है कि अक्टूबर में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के दौरान कुछ नकाबपोश लोग वाणिज्य दूतावास की इमारत से बाहर आकर उन्हें खींचकर दूतावास परिसर में ले गए जहां उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने बताया कि मौके पर मौजूद अधिकारियों के दखल के बाद चेन को बचाया गया। क्लेवरली ने बताया कि ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने इन अधिकारियों को मिली राजनयिक छूट वापस लेने का चीन से आग्रह किया था ताकि इन लोगों से पूछताछ की जा सके। उन्होंने कहा इस अनुरोध के जवाब में चीनी दूतावास ने जानकारी दी कि मैनचेस्टर के महावाणिज्यदूत की तैनाती का कार्यकाल पूरा हो गया है और वह चीन लौट आए हैं।'' उन्होंने बताया कि अन्य कर्मचारी भी या तो ब्रिटेन से जा चुके हैं या जल्द जाने वाले हैं। वहीं चेन ने कहा मैनचेस्टर में चीन के वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों द्वारा किए हमले को दो महीने हो गए हैं।''

पाकिस्तान ने भारत पर लगाया आतंकवाद में शामिल होने का आरोप

करांची। पाकिस्तान ने भारत पर देश में आतंकवाद और अराजकता फैलाने में शामिल होने का आरोप लगाते हुए इसे उजागर करने के लिए एक कूटनीतिक अभियान शुरू किया। विदेश सचिव असद मजीद ने इस्लामाबाद में विदेशी राजनयिकों के समक्ष यह आरोप लगाए जबकि विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इससे एक दिन पहले गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने आरोप लगाया था कि भारत मुंबई हमले के मुख्य षडयंत्रकारी हाफिज सईद के लाहौर स्थित आवास के बाहर पिछले साल हुए विस्फोट में शामिल था। विदेश कार्यालय के अनुसार मजीद ने पिछले साल 23 जून को लाहौर में सईद के आवास के बाहर हुए विस्फोट में भारत की कथित संलिप्तता का एक डोजियर साझा किया। खार ने एक प्रेसवार्ता में भारत पर आतंकवाद का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कथित तौर पर पाकिस्तान की शांति और सुरक्षा को कमजोर करने के नई दिल्ली के प्रयासों पर ध्यान देने का आह्वान भी किया। खार ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में आतंकवाद फैलाने में भारतीय संलिप्तता के निर्विवाद साक्ष्य हैं। भारत पूर्व में पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर चुका है कि इस देश में हुए कुछ आतंकी हमलों के पीछे भारत का हाथ था।

अमेरिकी सांसद ने भारत के खिलाफ आक्रामकता के लिए चीन की आलोचना की

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भारत के खिलाफ चीन की हालिया आक्रामकता की आलोचना की और अमेरिका के भारत के साथ काम करना जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल में संसद में एक बयान में कहा था कि चीनी सैनिकों ने नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की लेकिन भारतीय सेना ने अपनी दृढ़ एवं साहसिक प्रतिक्रिया से उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। कृष्णमूर्ति ने कहा ?कि मैं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अपने सशस्त्र बलों के माध्यम से भारतीय सीमा का उल्लंघन कर आक्रामकता के उनके हालिया प्रदर्शन के बारे में जानकर निराश हूं। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की तसल्ली है कि इस संघर्ष में भारतीय सुरक्षा बलों को कोई गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा। यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की बढ़ती आक्रामकता का एक और उदाहरण है। साथ ही यह क्षेत्र में चीन की आक्रामकता से निपटने के लिए अमेरिका के भारत एवं हमारे सभी सुरक्षा भागीदारों के साथ काम करने की जरूरत को भी रेखांकित करता है।

महिला जेलर ने कैदी को किया किस उसके साथ इंटीमेट हुईं नौकरी ने निकाला गया

वाशिंगटन । एक महिला जेलर कैदी से दिल लगा बैठी। जेलर ने इसके बाद कानून तोड़कर कई काम को अंजाम दिया। इतना हीं नहीं महिला जेलर ने कैदी को किस किया उसके साथ इंटीमेट हुईं। कैदी ने महिला जेलर के मोबाइल फोन का जेल में रहते हुए यूज भी किया। अब महिला जेलर को नौकरी से निकाल दिया गया है। डिटेंशन ऑफिसर (जेलर) रहीं ब्रिटनी रोक्सेन वॉकर पर नारकोटिक्स शेड्यूल 2 गैरकानूनी तौर पर कैदी की मदद करने कैदी के साथ सेकेंड डिग्री सेक्सुअल मिसकंडक्ट के आरोप लगे हैं। पूर्व जेलर वॉकर ने कैदी ब्रायंट कीथ स्मिथ को जेल के अंदर मोबाइल फोन यूज करने के लिए दिया। वॉकर मोबाइल फोन को जेल के अंदर 7 अक्टूबर को गई थीं। शेरिफ स्टीव म्यूलर ने कहा कि कानून से जुड़े अधिकारी भी कानून से ऊपर नहीं हो सकते हैं। अगर कोई कानून तोड़ने की कोशिश करेगा तब उस छोड़ा नहीं जाएगा। म्यूलर ने कहा कि हम अपने स्टाफ को लगातार यह बात याद दिलाते रहते हैं कि कानून का हमें पालन करना होगा।

6.2 तीव्रता के भूकंप ने ताइवान के पूर्वी तट को हिलाया

ताइपे। ताइवान के पूर्वी तट पर बुधवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप में जान माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। द्वीप के केंद्रीय मौसम ब्यूरो ने कहा कि भूकंप ताइवान के दक्षिण पूर्वी तटीय शहर हुलिएन से 29 किलोमीटर (18 मील) दक्षिण-पूर्व में आया। भूकंप की गहराई 5.7 किलोमीटर (3.5 मील) थी। राजधानी ताइपे में इमारतें लगभग एक मिनट तक हिलती रहीं और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भूमिगत पैदल पार पथ (सबवे) का परिचालन कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। सितंबर में, द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर 6.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें एक इमारत ध्वस्त हो गई थी और एक व्यक्ति मारा गया था।

अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति ने भारत के खिलाफ आक्रामकता के लिए चीन की आलोचना की

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने बुधवार को भारत के खिलाफ चीन की हालिया आक्रामकता की आलोचना की और अमेरिका के भारत के साथ काम करना जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल में संसद में एक बयान में कहा था कि चीनी सैनिकों ने नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथास्थिति को ''एकतरफा'' बदलने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने अपनी ''दृढ़ एवं साहसिक'' प्रतिक्रिया से उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा, ''मैं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अपने सशस्त्र बलों के माध्यम से भारतीय सीमा का उल्लंघन कर आक्रामकता के उनके हालिया प्रदर्शन के बारे में जानकर निराश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात की तसल्ली है कि इस संघर्ष में भारतीय सुरक्षा बलों को कोई गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा। यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की बढ़ती आक्रामकता का एक और उदाहरण है। साथ ही यह क्षेत्र में चीन की आक्रामकता से निपटने के लिए अमेरिका के भारत एवं हमारे सभी सुरक्षा भागीदारों के साथ काम करने की जरूरत को भी रेखांकित करता है।

प्योंगटेक उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर नजर रखने के लिए अमेरिकी स्पेस मोनिटरिंग आर्गेनाइजेशन में पहुंचे सैनिक।

संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान की आलोचना की

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने बुधवार को पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा कि एक देश जिसने अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन की मेजबानी की और अपने पड़ोसी देश की संसद पर हमला किया, उसके पास संयुक्त राष्ट्रमें उपदेश देने की साख नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता हमारे समय की प्रमुख चुनौतियाँ, चाहे वह महामारी हो, जलवायु परिवर्तन, संघर्ष या आतंकवाद हो, की प्रभावी प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा तथा सुधारित बहुपक्षवाद के लिए नयी दिशा' विषय पर खुली बहस की अध्यक्षता करते हुए जयशंकर ने कहा, '' हम स्पष्ट रूप से आज बहुपक्षवाद में सुधार की तात्कालिकता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्?वाभाविक रूप से हमारे अपने विशेष विचार होंगे, लेकिन कम से कम एक समानता बढ़ रही है कि इसमें और देरी नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा, '' दुनिया जिसे अस्वीकार्य मानती है, उसे सही ठहराने का सवाल ही नहीं उठना चाहिए। यह निश्चित रूप से सीमा पार आतंकवाद के राज्य प्रायोजन पर लागू होता है। न ही ओसामा बिन लादेन की मेजबानी करना और पड़ोसी देश की संसद पर हमला करना इस परिषद के सामने उपदेश देने के लिए प्रमाणिकता के रूप में काम कर सकता है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुतारेस के साथ भारत की जी-20 अध्यक्षता पर चर्चा की

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की और भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान मिलकर काम करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत ने आधिकारिक तौर पर एक दिसंबर को जी 20 की अध्यक्षता ग्रहण की। जी20, दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

जयशंकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारत की वर्तमान अध्यक्षता के तहत आतंकवाद और संशोधित बहुपक्षवाद पर दो प्रमुख कार्यक्रमों की अध्यक्षता करने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे। 15 देशों के शक्तिशाली निकाय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल इस महीने समाप्त होने वाला है। ''संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ एक गर्मजोशी भरी मुलाकात रही। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार और यूक्रेन संघर्ष पर उनके विचारों को गंभीरता से सुना। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान साथ काम करने पर विचारों का आदान-प्रदान

हुआ।'' गुतारेस को बुधवार को जयशंकर की अध्यक्षता में ''अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना = संशोधित बहुपक्षवाद के लिए नया अभिविन्यास'' विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस की जानकारी दी गई।

इससे पहले जयशंकर, गुतारेस और महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष सिसाबा कोरोसी ने महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण किया जिसे संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के उत्तरी लॉन में स्थापित किया गया है। जयशंकर ने परिषद की बहस के दौरान द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। जयशंकर ने संशोधित बहुपक्षवाद के लिए नया अभिविन्यास का जिक्र करते हुए ट्वीट किया ''आर्मेनिया के वित्त मंत्री अरारात मिर्जोयां से मिलकर अच्छा लगा। नियमों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में भाग लेने के लिए उनका धन्यवाद।'' मिर्जोयां के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा, ''हमारे बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और इसे आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।'' जयशंकर ने कहा कि उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की संस्कृति और युवा मंत्री नौरा अल काबी से मिलकर ''प्रसन्नता'' हुई और ''खुली बहस में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता पर स्पष्ट समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

'कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन' से ईरान को बाहर करने के प्रस्ताव पर मतदान में शामिल नहीं हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी) । भारत, लैंगिक समानता व महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने से संबंधित वैश्विक अंतर सरकारी निकाय से ईरान को बाहर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के एक मसौदा प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहा। ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न का हवाला देते हुए उसे 'कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन'के 2022-2026 के शेष कार्यकाल से हटाने के अमेरिका द्वारा पेश एक मसौदा प्रस्ताव को आर्थिक एवं सामाजिक परिषद ने बुधवार को स्वीकार किया। प्रस्ताव को आठ के मुकाबले 29 रिकार्ड मतों से स्वीकार किया गया। प्रस्ताव का विरोध करने वालों में बोलीविया, चीन, कजाकिस्तान, निकारागुआ, नाइजीरिया, ओमान, रूस, जिम्बाब्वे शामिल थे जबकि बांग्लादेश, भारत, इंडोनेशिया, मॉरीशस, मैक्सिको और थाईलैंड सहित 16 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। 'कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन' के 2022-2026 के शेष कार्यकाल से ईरान को हटाने के मसौदे के जरिए आर्थिक एवं सामाजिक परिषद ने सितंबर 2022 से ईरान सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मसौदे में कहा गया कि ईरान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित महिलाओं के मानवाधिकारों का लगातार हनन किया। प्रस्ताव के जरिए 'कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन' के 2022-2026 के शेष कार्यकाल से ईरान को ''तत्काल प्रभाव से'' हटाने का फैसला किया गया। ईरान में नैतिकता के नाम पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवती महसा अमीनी (22) को पकड़ा था और 16 सितंबर को हिरासत में ही उसकी मौत हो गई थी। ईरान की सरकार ने लगातार यह दावा किया है कि अमीनी के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया गया, जबकि अमीनी के परिवार का कहना है कि उसके शरीर पर चोट व पिटाई के निशान थे। अमीनी को हिजाब सही तरीके से न पहनने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद द्वारा ईरान को 'कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वीमेन' से हटाने के लिए हुआ मतदान ईरान के बहादुर लोगों को दुनिया भर से समर्थन का ''अचूक संदेश'' भेजता है।

अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में अंतरिक्ष इकाई की शुरुआत की

- अमेरिका अपने प्रतिद्वंद्वियों उत्तर कोरिया चीन और रूस की बेहतर निगरानी कर पाएगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में औपचारिक रूप से एक अंतरिक्ष बल इकाई की शुरुआत कर दी है। अमेरिका के लिए विदेशी क्षेत्र में यह पहली इकाई है जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वियों उत्तर कोरिया चीन और रूस की बेहतर निगरानी कर पाएगा। सियोल के पास ओसान एयर बेस पर अमेरिकी अंतरिक्ष बल कोरिया की शुरुआत ऐसे वक्त की गई है जब हाल के महीनों में उत्तर कोरिया ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों दक्षिण कोरिया तथा जापान पर हमला करने के लिए तैयार परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। नई अंतरिक्ष इकाई के प्रमुख लेफ्टिनेंट कर्नल जोशुआ मैकुलियन ने ओसान में एक समारोह में कहा कि सिर्फ 48 मील उत्तर में एक अस्तित्वगत खतरा मौजूद है; ऐसा खतरा जिससे हमें बचाव करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने परोक्ष रूप से उत्तर कोरिया का उल्लेख किया जिसकी दक्षिण कोरिया के साथ लगी सीमा सियोल से सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है। यह इकाई अमेरिकी अंतरिक्ष बल से जुड़ी है जिसे दिसंबर 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में 70 से अधिक वर्षों में पहली नई अमेरिकी सैन्य सेवा के रूप में शुरू किया गया था।

अंतरिक्ष बल को अंतरिक्ष में विशेष रूप से असैन्य और सैन्य दिशा-सूचक खुफिया और संचार के लिए इस्तेमाल वाले उपग्रह के संबंध में अमेरिकी हितों की रक्षा के वास्ते जरूरत के तौर पर देखा गया था। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की पूर्व की रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन और रूस ने उन तकनीकों को विकसित करने के लिए बड़े प्रयास शुरू किए हैं जो संकट के समय या संघर्ष में अमेरिकी और संबद्ध उपग्रहों को अवरूद्ध या नष्ट कर सकते हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष बल कोरिया पिछले महीने हवाई में हिंद-प्रशांत के अंतर्गत स्थापित एक बड़ी अमेरिकी अंतरिक्ष बल इकाई के अधीन है।

अब नहीं बचा कोई कानूनी विकल्प, ब्रिटेन में आखिरी अपील खारिज, भगोड़ा नीरव मोदी को भारत तो आना ही होगा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपनी लड़ाई को ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने की मोदी की कोशिश हार गई। लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट स्मिथ ने अपने बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति के लिए अपीलकर्ता के आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया है। पंजाब नेशनल बैंक में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी में उनकी कथित संलिप्तता के विवरण सार्वजनिक होने से पहले 2018 में हीरा कारोबारी भारत भाग गया था, उसने तर्क दिया है कि अगर उसे प्रत्यर्पित किया जाता है तो आत्महत्या का एक उच्च जोखिम है। नवंबर में नीरव मोदी ने ब्रिटेन

के उच्च न्यायालय के समक्ष ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय में भारत में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने की अनुमति के लिए एक आवेदन दायर किया। प्रत्यर्पण के खिलाफ अपनी लड़ाई ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट में ले जाने की अपील वह हार गया। नीरव मोदी ने कथित तौर पर लंदन में उच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया, जिसमें उसके प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ अपील करने की अनुमति मांगी गई, ब्रिटेन की एक अदालत द्वारा भारत वापस प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी याचिका खारिज करने के दो सप्ताह बाद। 9 नवंबर को, नीरव मोदी ने भारत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपनी अपील खो दी, यूनाइटेड किंगडम की एक अदालत ने उसकी याचिका खारिज कर दी। इससे पहले, लंदन (यूनाइटेड किंगडम) के उच्च न्यायालय ने नीरव मोदी की अपील को खारिज कर दिया था, जो मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी के मामलों का सामना करने के लिए भारत में वांछित है।

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास करेंगे, भारतीय सेना का दल नेपाल पहुंचा

काठमांडू : भारत और नेपाल दोनों देशों की सेनाओं के बीच दोस्ताना संबंध को और मजबूत बनाने के लिए शुक्रवार से 16 वां संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'सूर्य किरण' का आयोजन करेंगे। सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सेना का दल बुधवार को नेपाल पहुंचा। यह अभ्यास भारत - नेपाल सीमा के पास रूपनदेही के सालझंडी में होगा। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को ट्वीट किया, ''भारतीय सेना का दल 16वां भारत-नेपाल सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' में हिस्सा लेने के लिए आज नेपाल के सालझंडी पहुंचा। यह अभ्यास पेशेवर अनुभवों को आपस में साझा करने और दोनों देशों की सेनाओं के बीच दोस्ती को मजबूत बनाने के लिहाज से एक प्रतिमान है।'' इसके पहले इस अभ्यास के 15वें संस्करण का आयोजन पिथौरागढ़ में किया गया था जिसमें दोनों देशों के 650 सैनिकों ने हिस्सा लिया था। भारतीय सेनाध्यक्ष मनोज पांडे ने गत सितंबर में नेपाल की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान जनरल पांडे को राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान करके सम्मानित किया था। नेपाल और भारत के बीच 1850 किलोमीटर लंबी सीमा है जो सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरती है।

तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच शुरू हो गया भीषण युद्ध चमन में नागरिकों पर दागे गए मोर्टार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और तालिबानी लड़ाकों के बीच एक बार फिर से जंग जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं। अफगान सीमा डूरंड लाइन पर पाकिस्तान और तालिबान के बीच भीषण गोलीबारी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोलीबारी की घटना चमन स्पिन बोल्डाक सीमा क्रॉसिंग पर हुई है। दावा किया जा रहा है कि चमन-स्पिन बोल्डक सीमा क्षेत्र में अफ़ग़ान तालिबान और पाकिस्तानी सीमा सुरक्षा बलों के बीच कथित तौर पर भारी गोलीबारी और संघर्ष चल रहा है। चमन में ÷अफगान सीमा बलों÷ की गोलीबारी में 6 पाकिस्तानी नागरिकों के मारे जाने के कुछ ही दिनों बाद मोर्टार और भारी हमले भी देखने को मिले हैं।

चमन डीएचक्यू अस्पताल में आपात स्थिति घोषित कर दी गई है और कम से कम 11 घायल व्यक्तियों को कथित तौर पर अस्पताल लाया गया था। अफ़ग़ानिस्तान की ओर से भी लोगों के घायल होने की ख़बरें आ रही हैं। तालिबान ने बड़े पैमाने पर अतिरिक्त सैनिकों को भेजा है। चमन शहर को खाली कराया जा रहा है। ये घटनाएं पाकिस्तान के

खिलाफ अफगान तालिबान की सोची समझी आक्रामक रुख की ओर इशारा करती हैं। काबुल में शीर्ष पाकिस्तानी राजनयिक उबैद निज़ामनी 2 दिसंबर को एक हत्या के प्रयास से बमुश्किल बच पाए थे। उनके गार्ड को हमले में तीन गोलियां लगीं।

दिसंबर माह के दौरान चमन-स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर अब तक की यह दूसरी घटना है। पिछली गोलाबारी और मोर्टार फायर की घटना में पाकिस्तान ने 'कैलिबर-टू-कैलिबर' का जवाब दिया था, लेकिन अफगान पक्ष के हताहतों की संख्या स्पष्ट नहीं है। चमन-स्पिन बोल्डक में आज की सगाई यूएस सेंटकॉम के प्रमुख जनरल माइकल ई कुरिल्ला के रूप में भी होती है, जो पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर से मिलने के लिए रावलपिंडी में हैं।

अमेरिका : भारतीय-अमेरिकी किशोर ने 'गोल्डन गेट ब्रिज' से छलांग लगाई, आत्महत्या करने की कोशिश

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी किशोर ने सैन फ्रांसिस्को के मशहूर 'गोल्डन गेट ब्रिज' से कथित तौर पर छलांग लगा दी। उसके माता-पिता और अमेरिकी तटरक्षक के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुल पर 16 वर्षीय लड़के की साइकिल, फोन और बस्ता मिला है। ऐसा माना जा रहा है कि 12वीं कक्षा का छात्र मंगलवार शाम करीब चार बजकर 58 मिनट पर पुल से कूदा था। तटरक्षकों ने बताया कि पुल से ''किसी व्यक्ति'' के कूदने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने खोज एवं बचाव अभियान चलाया। लड़के के जीवित होने की संभावना बेहद कम है।

समुदाय के नेता अजय जैन भूटोरिया ने बताया कि किसी भारतीय-अमेरिकी के कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश में गोल्डन ब्रिज से छलांग लगाने का यह चौथा मामला है। 'ब्रिज रेल फाउंडेशन' के अनुसार, पिछले साल यहां से कूदकर 25 लोगों ने आत्महत्या की। 1937 में पुल के खुलने के बाद से यहां करीब दो हजार आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार 1.7 मील लंबे पुल के दोनों ओर 20 फुट चौड़ा लोहे का जाल लगाने का काम कर रही है। इसका काम इस साल जनवरी तक पूरा होना था, लेकिन यह अभी तक नहीं हो पाया है। इसकी निर्माण लागत 13.72 करोड़ डॉलर से बढ़कर करीब 38.66 करोड़ डॉलर हो गई है। इस परियोजना का काम 2018 में शुरू हुआ था।

संपादकीय

चीन के खतरनाक मंसूबे

भारतीय बहादुर जवानों ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया और उन्हें उनकी पोस्ट पर वापस लौटने के लिये बाध्य किया। वहीं अरुणाचल के एक सांसद का दावा है कि चीनी सैनिक ज्यादा संख्या में घायल हुए हैं। वहीं अब चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि भारत से लगी सीमा पर स्थिति सामान्य है। चीनी सरकारी मीडिया में कहा जा रहा है कि भारत से सैन्य व राजनयिक स्तर पर वार्तालाप जारी है।

चौकस रक्षा तैयारी से ही अतिक्रमण का जवाब/ एक बार फिर चीन ने अरुणाचल के तवांग सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की है। बीते शुक्रवार को हुई इस कोशिश को भारतीय सैनिकों ने नाकाम किया है। संघर्ष में दोनों देशों के सैनिक घायल हुए हैं। संसद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने स्वीकार किया है कि कुछ भारतीय सैनिक घायल हुए हैं मगर किसी तरह की जान की हानि नहीं हुई है। दरअसल, चीनी सैनिकों ने नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर के यांग्त्से इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा में अतिक्रमण करके यथास्थिति को बदलने का असफल प्रयास किया था। भारतीय बहादुर जवानों ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया और उन्हें उनकी पोस्ट पर वापस लौटने के लिये बाध्य किया। वहीं अरुणाचल के एक सांसद का दावा है कि चीनी सैनिक ज्यादा संख्या में घायल हुए हैं। वहीं अब चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि भारत से लगी सीमा पर स्थिति सामान्य है। चीनी सरकारी मीडिया में कहा जा रहा है कि भारत से सैन्य व राजनयिक स्तर पर वार्तालाप जारी है। दरअसल, अरुणाचल के तवांग क्षेत्र पर चीन की कुदृष्टि लंबे समय से रही है। वह इसे दक्षिण तिब्बत के नाम से संबोधित करता रहा है। उसने वर्ष 1962 में आक्रमण के जरिये अरुणाचल के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया था। भारी दबाव के बाद ही चीनी सेना मैकमोहन रेखा से पीछे हटी थी। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है। साम्राज्यवादी चीन कई इलाकों में अतिक्रमण के जरिये यथास्थिति को बदलने की कुत्सित कोशिश करता रहा है। दरअसल, दोनों देशों के बीच करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा का आजादी के बाद भी ठीक-ठीक निर्धारण नहीं हो पाया। जिसकी वजह भौगोलिक जटिलता भी रही है। इन इलाकों में नदियों, झीलों व बर्फीले पहाड़ों के कारण एलएसी को लेकर विवाद उत्पन्न होता है। जो कालांतर सैनिकों के टकराव का कारण बनता है। देश वर्ष 2020 में हुए गलवान घाटी के खूनी संघर्ष को नहीं भूला है। भारत के वीर जवानों ने निहत्थे संघर्ष में चीनियों के घातक हमले में शहादतें दी थीं। भारत ने अपने शहीदों का सम्मान करते हुए उनकी वास्तविक संख्या उजागर की। जबकि चीन सच पर लगातार पर्दा डालता रहा। कई महीनों बाद चीन ने महज चार सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की थी। दरअसल, चीन के साथ हुए समझौते के चलते दोनों देशों के सैनिकों में गोला-बारूद के इस्तेमाल पर रोक है। यूं तो भारतीय जांबाज कद-काठी के हिसाब से चीनियों पर इक्कीस पड़ते हैं। लेकिन गलवान के संघर्ष में चीनी सैनिकों ने पहले से तैयार की गई घातक चीजों के प्रयोग से भारतीय सैनिकों को बड़ी क्षति पहुंचायी थी। दो साल पहले हुई झड़प के बाद भारत ने अपने इलाकों में स्थायी संरचनाओं का निर्माण किया है। दुर्गम व ऊंचाई वाले इलाकों में भारत ने हवाई पट्टी व सड़कों का निर्माण किया है। जिसको लेकर चीन विरोध जताता रहा है। हालांकि, गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों में कूटनीतिक, राजनयिक व सैन्य स्तर पर बातचीत का क्रम चलता रहा है, लेकिन चीन के साम्राज्यवादी मंसूबों में कमी नहीं आई है। वह एलएसी पर कई तरह के अवैध निर्माण करता रहा है और कई इलाकों में उसकी संदिग्ध उपस्थिति नजर आती है।

सूक्ति

यदि आप बार-बार शिकायत नहीं करते हैं तो आप किसी भी कठिनाई को दूर कर सकते है।
- बर्नार्ड एम. बारुच

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।
- विलियम शेक्सपियर

लॉफिंग ज़ोन

एक पिता अपने बेटे से : बेटा , मैं तुम्हें इतना मारता हूं , तुम अपना गुस्सा कैसे कंट्रोल करते हो ?

बेटा : जब आप मुझे मारते हैं , तो मैं टॉयलेट साफ करने लगता हूं।

पिता : बेटा , टॉयलेट साफ करने से गुस्सा कैसे कंट्रोल होगा ?

बेटा : मैं टॉयलेट आपके टूथ ब्रश से साफ करता हूं।

☺ ☺ ☺

उस दिन एक मुर्दा दूसरे मुर्दे से कह रहा था : ' जब हम जिंदा थे और किसी का कुछ बिगाड़ सकते थे तो लोग हमसे डरते नहीं थे। लेकिन अब जब कि हम किसी का कुछ नहीं बिगाड़ सकते और कब्र में दफन पड़े हैं , तो रात को लोग कब्रिस्तान में आने से भी डरते हैं। '

☺ ☺ ☺

मैं उस सामने वाली दुकान से एक किलो चीनी एक रुपए में खरीद सकता हूं। '

उसके दोस्त को विश्वास नहीं हुआ। दोनों में 100- 100 रुपए की शर्त लग गई।

दोनों दुकान पर पहुंचे : चीनी कैसे दी ? 18 रुपए किलो। ठीक है।

एक किलो चीनी तौल कर पोलिथीन बैग में डाल दो।

और यह लो 17 रुपये इस थैली के और एक रुपया चीनी का।

☺ ☺ ☺

पीड़ित की संतुष्टि अपना फर्ज माने पुलिस

शंकर सेन

स्वतंत्र भारत में पुलिस ने विरासत में कुछ नाखुशगवार विरासतें पाई हैं। ऐसी एक विरासत है नागरिकों के ज़हन में व्याप्त 'पुलिस से दूरी भली'। लोग पुलिस को भय और संशय से देखते हैं। पुलिस एक्ट- 1861, जोकि देश में पुलिस कार्यप्रणाली और कामकाजी तंत्र की रूपरेखा परिभाषित करता है, इसमें राजतंत्र द्वारा नियुक्त पुलिस से लोगों पर प्रभावशाली नियंत्रण बनाने का काम लेना है न कि उनके अधिकारों का संरक्षण। यह रिवायत स्वंतत्र भारत में भी जारी रही। परिणामवश पुलिस और लोगों के बीच की दूरी बरकरार रही। आमतौर पर लोग पुलिस से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। वर्ष 1969 में, पुलिस विषय के शोधकर्ता डेविड बेयली ने 'भारत में पुलिस और राजनीतिक घटनाक्रम' नामक शोधपत्र में लिखा है कि देश में पुलिस-नागरिक संबंध का चित्रण 'एक-दूसरे से परे रहने' के रूप में किया जा सकता है। जनता 'पुलिस से दूरी भली' वाली अवस्था में रहना चाहती है और यह फितरत शहरी क्षेत्र की अपेक्षा गांवों में अधिक है। डेविड लिखते हैं कि इसीलिए पुलिस को सूचना या मदद देने के प्रति अनिच्छा भारतीयों में पुरानी है बल्कि ऐसा कर वे किसी झमेले में नहीं पड़ना चाहते। अन्य अध्ययन और सर्वेक्षण भी इसकी तस्दीक करते हैं। बेंगलुरू के पब्लिक अफेयर्स सेंटर द्वारा कर्नाटक पुलिस का गहराई से आकलन करते 'मिरर ऑफ द पुलिस' नामक सर्वेक्षण में भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि भारतीय पुलिस में मानो समय थमा हुआ है और वक्त के साथ पुलिस तंत्र इस स्थिति में कोई सुधार करता भी नज़र नहीं आया। इस सर्वेक्षण में समाज के तमाम तबकों से संबंधित शिकायतकर्ताओं और पुलिस में सभी पदों पर कार्यरत कर्मियों से साक्षात्कार किया गया था। इस अध्ययन की मुख्य खोजों में एक यह है कि जनता पुलिस के साथ बिल्कुल सहज नहीं है। सालों से जो मनोवैज्ञानिक अवरोध दोनों के बीच चला आ रहा है वह जस का तस है। 'पुलिस से दूरी भली' की मनोवृत्ति पिछड़े, अशिक्षित और हाशिये पर आते वर्ग में अधिक व्याप्त है। इसका नज़ारा मुझे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अपने कार्यकाल में देखने को मिला। पुलिस के विरुद्ध अधिकांश शिकायतकर्ता दबे-कुचले वर्ग से थे। हिरासत में मौत और केस दर्ज न करने जैसी गंभीर शिकायतों के अलावा बहुत-सी शिकायतें पुलिस के अभद्र और दबंगई वाले व्यवहार को लेकर थीं, जो उन्हें पुलिस से और ज्यादा दूरी बनाने को उद्यत करती हैं। यह बात मानवाधिकारों के प्रति पुलिस में संवेदनशीलता बनाने और मनुष्य की गरिमा का सम्मान करने वाला व्यवहार करने की जरूरत को रेखांकित करती है। डॉ. बेयली का अध्ययन आगे दर्शाता है कि पुलिस के प्रति नकारात्मक और आलोचनात्मक विचार उन लोगों में ज्यादा पाया गया जिनका पुलिस से पाला पड़ा। राष्ट्रीय पुलिस आयोग का सर्वेक्षण (1978-81) तस्दीक करता है कि जिन लोगों को पुलिस के बुरे बर्ताव का अनुभव हो जाता है उनके अंदर 'पुलिस से दूरी भली' की धारणा और पक्की हो जाती है। पुनः, गरीब और मौखिक शिकायतकर्ता चूंकि अपने कानूनी अधिकारों से अनजान होते हैं सो पुलिस के गलत बर्ताव की शिकायत उच्च अधिकारियों से नहीं करते। ऐसे में, अनभिज्ञ नागरिकों में अपने मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना सिविल सोसाइटी और मानवाधिकार समूहों का पहला काम होना चाहिए। कर्नाटक वाले सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में शिकायतकर्ताओं ने कहा कि उन्हें अपनी शिकायत पर हो रही कार्रवाई की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चलता। थानों के बार-बार चक्कर काटने के बाद ही कोई सूचना मिल पाती है। यह बीमारी लगभग हरेक थाने में पाई गई। पुलिस की ओर से शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत पर चल रही कार्रवाई की स्थिति बताने के लिए शायद ही कभी पहल की गयी हो। कुछ पुलिस अधिकारी ऐसा न कर पाने के पीछे कारण स्टाफ की कमी और काम का बोझ बताते हैं। लेकिन यह सच्चाई नहीं है। असल वजह है कि पुलिस में वह कार्य-संस्कृति ही नदारद है कि शिकायतकर्ता की तसल्ली करवाई जाए और उसके मानस पर छपी पुलिस की छवि सुधारी जा सके। पुलिस अधिकारी भूल जाते हैं कि उनकी दिखाई छोटे-सी सक्रियता नागरिकों से सराहना पाने और उनके मन में पुलिस का अक्स सुधारने में सहायक होगी। ब्रिटिश राज में, गलत धारणा के तहत पुलिस को लोगों से निकट संबंध बनाने के लिए हतोत्साहित किया जाता था कि यह होने पर स्थानीय लोगों से कड़ाई बरतने में रुकावट बनेगी। पुलिस एक्ट-1861 पुलिस के विभिन्न कामों की सटीक व्याख्या तो करता है, लेकिन यह बताने में विफल रहा कि सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेवारी लोगों की सहायता और सहयोग अर्जित करने की है, जिसके बिना कामकाज मुश्किल हो सकता है। स्वतंत्र भारत में भी, पुलिस और लोगों के बीच यह दूरी कायम रही। राजनीतिक आकाओं को डर है कि जनता-पुलिस के बीच मधुर संबंध बनने से लोगों में पुलिस का भय नहीं रहेगा और कानून का पालन करवाना प्रभावित होगा। भारत में सामुदायिक पुलिसिंग का प्रयोग अधिकांशतः विफल रहा क्योंकि पुलिस ने जनता को अपने कामकाज की अर्थपूर्ण निगरानी करने की भूमिका नहीं दी। कर्नाटक पुलिस समीक्षा रिपोर्ट समस्या का एक अन्य परेशान करने वाला पहलू बताती है। शिकायतकर्ता जो सूचना दर्ज करवाना चाहता है और जो व्याख्या पुलिस अपनी फाइलों में दर्ज करती है, इन दोनों में अधिकांशतः अंतर होता है। बहुत सी शिकायतों को केस के तौर पर दर्ज नहीं किया जाता और अनेक मौकों पर अपराध को छोटा बताकर लिखा जाता है। इसलिए पुलिस के साथ बहुत से लोगों का पहला अनुभव खुशनुमा नहीं होता। ओडिशा में किया गया एक लघु सैम्पल सर्वे बताता है कि आमतौर पर जनता पुलिस को दरपेश मुश्किलों और सीमित स्रोतों के बारे में जानती है लेकिन उस वक्त मोहभंग हो जाता है जब मामला सुलझाने के लिए पुलिस घटनास्थल पर न पहुंचे और अंत में गलत रिपोर्ट जमा करवा दे। विधि आयोग ने 1958 में दी रिपोर्ट में कहा कि लोग 'समूचे पुलिस बल को मित्र की तरह नहीं लेते। यह अविश्वास उन्हें पुलिस से संबंध बनाने को बढ़ावा देने में रुकावट है'। डॉ. बेयली ने कहा कि यह समस्या केवल भारत की नहीं है। चंद अमेरिकी निगहबानों को ही उम्मीद है कि देश में पुलिस को लोगों का विश्वास-मत बहुत अधिक मिल पाएगा। यहां तक कि ब्रिटेन में भी, जहां पुलिस की छवि बहुत अच्छी है, रॉयल कमीशन ऑन पुलिस द्वारा करवाए गए सर्वे में पाया गया कि 10 फीसदी लोग सोचते हैं कि पुलिस रिश्वत लेती है, सूचना पाने को गलत तरीके इस्तेमाल करती है और न्यायालयों में साक्ष्य तोड़-मरोड़कर पेश करती है। 'पुलिस से दूरी भली' और संशय रखने की यह प्रवृत्ति दुनियाभर में है, लेकिन इसकी मात्रा व स्वरूप मुल्क-मुल्क में भिन्न हो सकते हैं। आज भारत में पुलिस बल में उच्च पदों पर बहुत से योग्य और विचारवान युवा स्त्री-पुरुष भर्ती हो रहे हैं, किंतु अनेकानेक कारणों से, वे भी पुराने सांचे में ढल जाते हैं, लिहाजा भारतीय पुलिस तंत्र को बदलने में विफल रहे। पुराना ढर्रा जारी है और बदलाव के ज्यादा चिन्ह फिलहाल दिखाई नहीं दे रहे।

लेखक राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के निदेशक रहे हैं।

महिलाओं के जीवन व जीविका पर बड़ा संकट

जलवायु परिवर्तन/ प्रियंका सौरभ

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विभिन्न समूहों और समुदायों में महसूस किया जाता है। हालांकि, यह प्राकृतिक संसाधनों पर भारी निर्भरता, उच्च गरीबी स्तर, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच की कमी आदि के कारण महिलाओं के लिए आनुपातिक रूप से अधिक है। बाढ़-सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं का गरीब महिलाओं पर अधिक प्रभाव पड़ेगा, जो विनाशकारी प्रभाव भी पैदा कर सकता है। एशिया और अफ्रीका में जलवायु परिवर्तन के चलते पुरुषों को अपने खेतों को छोड़कर काम-धंधे की तलाश में पलायन करना पड़ रहा है, जिससे घर पर रहने वाली महिलाओं पर काम का दबाव बढ़ रहा है। महिलाओं को अकेले ही अपने बच्चों-खेतों का ध्यान रखना होता है। वे विषम परिस्थितियों में जीवन जीने को मजबूर हैं। उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। दरअसल, लैंगिक असमानता के चलते महिलाएं मछली पकड़ने, कृषि, बागवानी आदि जैसी आजीविका पर अधिक निर्भर हैं जो जलवायु परिवर्तन से खतरे में हैं। जलवायु परिवर्तन की घटनाओं में वृद्धि से महिलाओं की उत्पादकता और आय में कमी आएगी, जिससे लैंगिक असमानता का स्तर बढ़ेगा। दरअसल, सूखा और बाढ़ जगह को रहने लायक नहीं छोड़ते हैं, जिससे कमजोर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के समूह का विस्थापन हो सकता है। हालांकि, इससे महिलाओं के प्रभावित होने की संभावना अधिक होती है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के आधार पर, जलवायु परिवर्तन से विस्थापित होने वाले लोगों में 80 फीसदी महिलाएं हैं। महिलाएं सूखे और पानी की कमी से भी अधिक प्रभावित होती हैं, अक्सर दूर के जल संसाधनों तक यात्रा करने और अपने परिवारों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए काफी समय खर्च करती हैं। पूर्वी अफ्रीका में, सूखे के कारण चरवाहे किसानों को पानी खोजने के लिए काफी आगे की यात्रा करनी पड़ी है। जलवायु परिवर्तन कृषि की उत्पादकता को कम करता है, जिससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता है। भोजन की कमी के समय लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन उपलब्ध कराए जाने की आशंका अधिक होती है, इस प्रकार वे कुपोषण और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं, विशेष रूप से वेक्टर जनित रोग जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अधिक प्रचलित हैं। आपदाओं के बाद, महिलाओं के यौन उत्पीड़न, हिंसा का शिकार होने और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करने की संभावना अधिक होती है। इस संकट के चलते महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप से जल संचयन, खाद्य संरक्षण और राशनिंग और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित ज्ञान और कौशल विकसित किया है। इस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, अफ्रीका में बूढ़ी महिलाएं अपने विरासत में मिले ज्ञान से आपदा की शुरुआती चेतावनियों और आपदाओं के प्रभावों को कम करने से संबंधित ज्ञान पूल का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिक्षा और कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों का लाभ उठाया जा सकता है। जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अनुकूलन रणनीति विकसित करने में मदद कर सकते हैं। महिलाएं प्राकृतिक आपदाओं के लिए सामुदायिक प्रतिक्रियाओं के रूप में कार्य कर सकती हैं। जमीनी स्तर के महिला संगठनों के माध्यम से जलवायु निवेश को आगे बढ़ाया जा सकता है। अनुकूलन पहलों, विशेष रूप से जल, खाद्य सुरक्षा, कृषि, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और संघर्ष से संबंधित क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के लिंग-विशिष्ट प्रभावों की पहचान और पता करना चाहिए। महिलाओं की प्राथमिकताओं और जरूरतों को विकास योजना और वित्त पोषण में प्रतिबिंबित होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन की चुनौती के मुकाबले के लिये संसाधनों के आवंटन के संबंध में राष्ट्रीय

और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी हो। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों में लिंग-संवेदनशील निवेश सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। अनुदान देने वाले संगठनों और दाताओं को विकास करते समय महिला-विशिष्ट परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। महिलाएं अभी भी एक बड़े पैमाने पर निर्णायक भूमिका में नहीं हैं। प्रतिबंधित भूमि अधिकार, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच की कमी, प्रशिक्षण व प्रौद्योगिकी और राजनीतिक निर्णय लेने वाले क्षेत्रों तक सीमित पहुंच अक्सर उन्हें जलवायु परिवर्तन से निपटने में पूरी भूमिका निभाने से रोकती हैं। महिलाएं जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन के लिए महत्वपूर्ण हैं और उन्हें निर्णय लेने में शामिल होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन का पुरुष के मुकाबले महिला की सेहत पर ज्यादा बुरा असर हो रहा है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मृत्यु और उनको लगने वाली चोट की दर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में दो-तिहाई ज्यादा है। महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत है।

(चिंतन-मनन)

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है। जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज
बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें
ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार
ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है
विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

अमेरिका 2022-23 के लिए 64716 अतिरिक्त एच2बी वीजा जारी करेगा

मुंबई । अमेरिका अस्थायी व्यवस्था के तहत वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए अतिरिक्त 64716 एच-2बी वीजा उपलब्ध करा रहा है। वीजा की यह श्रेणी अकुशल विदेशी कामगारों के लिए होती है। अमेरिका के इस कदम के पीछे उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यहां की कंपनियां अपने व्यस्त सत्र के दौरान अपनी श्रम की जरूरतों के लिए योजना बना सकें। एच-2बी वीजा के जरिये नियोक्ता गैर-कृषि या अन्य सेवाओं के लिए विदेशी कामगारों से सीमित अवधि के लिए अस्थायी तौर पर काम ले सकते हैं। हालांकि अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के इस कदम का विशेष असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि इस वीजा के लिए आवेदन देने वाले भारतीयों की संख्या ज्यादा नहीं है। भारतीय आमतौर पर एच-2बी वीजा के लिए आवेदन नहीं देते। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका जाने वाले ज्यादातर भारतीय उच्च कौशल वाले पेशेवर होते हैं जिन्हें अमेरिकी कंपनियां ऐसी विशिष्ट भूमिकाओं जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत होती है के लिए रखती हैं। इस तरह के आव्रजन के लिए एच-1बी वीजा होता है। यूएससीआईएस ने कहा` कि विभाग और श्रम विभाग एक अस्थायी नियम जारी कर रहे हैं जिसके तहत वित्त वर्ष 2022-2023 में 64716 अतिरिक्त एच-2बी अस्थायी गैर-कृषि कामकार वीजा उपलब्ध हो सकेंगे। ये अतिरिक्त वीजा उन अमेरिकी नियोक्ताओं के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए जारी किए जा रहे हैं जिन्हें 15 सितंबर 2023 से पहले अतिरिक्त कामगारों की जरूरत है।

सरकार ने आईआरसीटीसी में हिस्सेदारी की बिक्री ओएफस के जरिए शुरू की

नई दिल्ली । सरकार ने आईआरसीटीसी में पांच प्रतिशत तक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए गुरुवार को बिक्री पेशकश (ओएफएस) शुरू कर दी। ओएफएस शुरू होने के बाद आईआरसीटीसी के शेयर शुरुआती कारोबार में पांच प्रतिशत से अधिक टूट गए। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) में सरकार की पांच फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री पेशकश के लिए 680 रुपए प्रति शेयर का न्यूनतम मूल्य रखा गया है। यह पेशकश गुरुवार को संस्थागत निवेशकों के लिए शुरू हुई। खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस शुक्रवार को खुलेगी। ओएफएस का मूल आकार दो करोड़ शेयर या 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इसे आगे पांच प्रतिशत हिस्सेदारी या चार करोड़ शेयर तक बढ़ाया जा सकता है। पूर्वाह्न तक 8.75 लाख से अधिक शेयरों के लिए बोलियां मिलीं जो निर्गम के मूल आकार का करीब 0.05 गुना है। निचली कीमत बुधवार को बीएसई पर आईआरसीटीसी के बंद भाव के मुकाबले 7.4 प्रतिशत कम है। आईआरसीटीसी में सरकार की मौजूदा हिस्सेदारी 67.40 फीसदी है।

मस्क ने टेस्ला के 3.58 अरब डॉलर के शेयर बेचे

डेट्रॉयट। उद्योगपति एलन मस्क ने इस सप्ताह इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला के 3.58 अरब डॉलर के शेयर बेचे हैं। हालांकि इससे प्राप्त आय का क्या उपयोग किया गया है इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं ट्विटर के नए मालिक मस्क ने इलेक्ट्रिक वाहनों की कंपनी के शेयर सोमवार से बुधवार के बीच बेचे। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने यह जानकारी दी। मस्क अप्रैल से अब तक टेस्ला के 23 अरब डॉलर के शेयर बेच चुके हैं। इससे प्राप्त अधिकांश राशि का उपयोग 44 अरब डॉलर में हुए ट्विटर के सौदे में किया जाएगा। टेस्ला के शेयरों में अप्रैल से गिरावट आ रही है जब मस्क ने ट्विटर की खरीद की घोषणा की थी। तब से अब तक इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयरों का मूल्य घटकर आधा से भी कम रह गया है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर बढ़ाने से घरेलू बाजार पर पड़े दबाव के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 878.88 अंक करीब 1.40 फीसदी नीचे आकर 61799.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 245.40 अंक तकरीबन 1.32 फीसदी टूटकर 18414.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा टाइटन इन्फोसिस एचडीएफसी आईटीसी टाटा स्टील एचडीएफसी बैंक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रूप से नीचे आये जबकि केवल दो शेयर एनटीपीसी और सन फार्मा लाभ के साथ ही उछले हैं। बाजार जानकारों के अनुसार फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख से बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका से घरेलू बाजार में आईटी शेयरों में बिकवाली से भी बाजार गिरा। बाजार को अब बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के फैसलों का इंतजार है। ये दोनों भी नीतिगत दर आधा फीसदी बढ़ा सकते हैं।''वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने प्रमुख नीतिगत दर में 0.50 फीसदी बढ़ायी है। इसके साथ ही यह भी संकेत दिया कि महंगाई को काबू में लाने के लिये आने वाले दिनों में ब्याज दर में और वृद्धि की जा सकती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर को बढ़ाकर 4.25-4.50 फीसदी कर दिया है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ ही नीचे आये। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी शेयर बाजार गिरे हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.77 फीसदी नीचे आकर 82.06 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सोने चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। सोना 420 रुपये नीचे आकर 57554 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोने की कीमत 54974 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सोने की ही तरह चांदी भी 869 रुपये फिसलकर 68254 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना फिसलकर 1788 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसके अलावा चांदी भी टूटगर 23.14 डॉलर प्रति औंस पर थी। बाजार जानाकारों के अनुसार मुद्रास्फीति को नीचे लाने के लिए किये उपायों से सोने में गिरावट आई है।

साउथ ईस्ट एशिया में निवेश के लिए 10 अरब यूरो जुटाएगा यूरोपीय संघ

- यह कोष दक्षिण-पूर्व एशिया के एक हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में मदद करेगा

ब्रसेल्स । यूरोपीय संघ (ईयू) ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) में बुनियादी ढांचागत निवेश में तेजी लाने के लिए 2027 तक 10 अरब यूरो (10.6 अरब अमेरिकी डॉलर) जुटाने का वादा किया है। यहां हाल ही में आयोजित यूरोपीय संघ-आसियान स्मारक शिखर सम्मेलन में ईयू और उसके सदस्य देशों ने वित्तीय सहायता की पेशकश की जो दक्षिण-पूर्व एशिया में हरित अर्थव्यवस्था और स्थायी कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह सतत कनेक्टिविटी पहल और ग्रीन टीम यूरोप पहल के समर्थन से होगा। यूरोपीय आयोग ने एक बयान में कहा कि निवेश ऊर्जा परिवहन डिजिटलीकरण शिक्षा व्यापार और टिकाऊ मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। यह कोष दक्षिण-पूर्व एशिया के एक हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन सेवाओं तक बेहतर पहुंच और आर्थिक अवसरों तथा नौकरियां सृजन करने में मदद करेगा। बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में नेताओं ने यूरोपीय संघ-आसियान व्यापक हवाई परिवहन समझौते पर हस्ताक्षर करने की प्रशंसा की जो इस क्षेत्र का पहला विमानन समझौता है। इस दौरान आसियान नेताओं ने यूरोपीय संघ आसियान के तीसरे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और दूसरे सबसे बड़े निवेशक के साथ मजबूत आर्थिक सहयोग जारी रखने का संकल्प लिया। आसियान नेताओं ने कहा कि वे टिकाऊ और समावेशी व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष पर भी चर्चा की और इस मामले पर अपनी स्थिति को फिर से दोहराया जिसमें परमाणु हथियारों के उपयोग के खतरे और दुनिया भर के कई क्षेत्रों में जंग के कारण होने वाली पीड़ा पर उनी आपत्ति शामिल है।

बीएमडब्ल्यू एस 1000 को नए अवतार में लांच

पुराने मॉडल के मुकाबले ज्यादा पावरफुल है इंजन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

महंगी कारें बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू मोटर्राड ने अपनी फ्लैगशिप मोटरसाइकिल बीएमडब्ल्यू एस 1000 को नए अवतार में पेश किया है। अपने पुराने मॉडल के मुकाबले यह बाइक अब ज्यादा पावरफुल इंजन और नए डिजाइन के साथ आई है।बाइक की पावर पहले से काफी बढ़ गई है हालांकि टॉर्क पहले की तरह ही है। बीएमडब्ल्यू ने इंटेक फनल के डिजाइन को नया रूप देकर और एक नई इनटेक साथ पावर में बढ़ोतरी की है। बाइक में कॉस्मेटिक बदलावों की बात करें इसमें नए लिवर जोड़े गए हैं जो ऊपर की ओर विंगलेट्स होते हैं। ये अब राइडर की स्पीड के आधार पर 10 किलोग्राम तक डाउन फोर्स जनरेट करते हैं। यह अतिरिक्त वजन एक्सीलेरेशन के दौरान टायर की टेंडेंसी का काउंटरएक्टिंग करने में मदद करता है। साथ ही इसका मतलब यह है कि ट्रैक्शन कंट्रोल को ज्यादा काम करने की जरूरत नहीं है। इस तरह राइडर को स्पीड में लैप करने में मदद मिलती है। इसे हल्का और स्पोर्टियर बनाने के लिए रियर सेक्शन को भी नया रूप दिया गया है। नंबर प्लेट होल्डर भी अब छोटा हो गया है।मोटरसाइकिल मोटरसाइकिल में स्टैंडर्ड इक्विपमेंट बदल दिए गए हैं। इसमें अब एक यूएसबी चार्जिंग सॉकेट और एक एम बैटरी स्टैंडर्ड रूप में मिलती है। बाइक के फीचर्स की बात करें इसमें 6.5 इंच की टीएफटी स्क्रीन में अब ज्यादा फीचर्स और एक नए रेव काउंटर डिस्प्ले के साथ आती है। टीएफटी स्क्रीन को बाएं हैंडलबार पर स्थित मल्टी-कंट्रोलर का उपयोग करके कंट्रोल किया जा सकता है।

मोटरसाइकिल एबीएस प्रो के साथ आती है लेकिन अब इसमें ब्रेक स्लाइड असिस्ट और एबीएस प्रो 'स्लीक' सेटिंग फंक्शन भी मिलते हैं। नई 'स्लीक' सेटिंग विशेष रूप से ट्रेडलेस स्लीक टायर्स के लिए बनाई गई है। नया ब्रेक स्लाइड असिस्ट फंक्शन राइडर को सिस्टम के शुरू होने से पहले रियर स्लाइड आउट करने की सुविधा देता है।

2023 बीएमडब्ल्यू एस 1000 आरआर की कीमत रुपए 20.25 लाख एक्स शोरूम है और रुपए 24.45 लाख एक्स शोरूम तक जाती है। इसे तीन वेरिएंट्स स्टैंडर्ड प्रो और प्रो एम स्पोर्ट में बेचा जाएगा। बाइक की पावर की बात करें तो इसमें 999 सीसी का इन-लाइन 4-सिलेंडर इंजन मिलता है जो 13750 आरपीएम पर 206 बीएचपी की अधिकतम पावर और 11000 आरपीएम पर 113 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

टीवीएस रोनिन में 5 बहुत ही खास फीचर्स

-कम कीमत में महंगी बाइक का मजा देती है ये बाइक

नई दिल्ली ।

टीवीएस कंपनी की बाइक टीवीएस रोनिन में 5 बहुत ही खास फीचर्स हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। अगर आप भी इसे खरीदने जा रहे हैं तो इन 5 फीचर्स के बारे में जरूर जान लें। रात के समय में अगर आपको राइडिंग करना पसंद है तो ऐसे में टीवीएस रोनिन एक अच्छा विकल्प है। इसकी हेडलाइट की रोशनी बहुत ही ज्यादा है। हेड लाइट का डिजाइन भी बेहद खास है जिसकी वजह से ही इस बाइक की खूबसूरती बढ़ जाती है। पहली बार इस कंपनी ने कुछ नया ट्राई करने की कोशिश की है।आमतौर पर बाइक खरीदने के बाद बाइक लवर्स एग्जॉस्ट की साउंड जरूर चेक करते हैं। ज्यादातर लोग स्पोर्ट्स बाइक लेने के बाद इसकी आवाज पर ध्यान देते हैं। लेकिन आपको टीवीएस रोनिन में बहुत ही तेज आवाज मिलती है। इसकी आवाज कई स्पोर्ट्स बाइक को टक्कर देती है। आमतौर पर टीवीएस कंपनी बाइक की बिल्ड क्वालिटी पर बहुत कम ध्यान देती है। लेकिन टीवीएस रोनिन की बिल्ड क्वालिटी बहुत ही जानदार है। बाइक के साइड मिरर ग्रैब रिल्स चैन कवर और हैंडल के साथ फ्यूल टैंक की मजबूती बहुत ही अच्छी है। छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होने पर भी इस बाइक को टूटने फूटने कि बहुत ही कम संभावनाएं हैं।कम ग्राउंड क्लीयरेंस होने की वजह से कई बार ब्रेकर पर गाड़ी की इंजन टच कर जाती है। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब बाइक के ऊपर 2 लोग या बहुत ज्यादा वजन हो। टीवीएस रोनिन ग्राउंड क्लीयरेंस 18 एमएम की है। इस पर 2 लोगों को सफर करते समय भी ब्रेकर पर इंजन टच होने की बहुत ही कम संभावनाएं हैं। टीवीएस कंपनी ने इसकी डिजाइन के ऊपर बहुत ज्यादा ध्यान दिया है। आगे और पीछे की तरफ ग्राउंड क्लीयरेंस में अंतर है। इस बाइक का व्हीलबेस बहुत ही कम है। व्हीलबेस कम होने के फायदे और नुकसान दोनो ही हैं। अगर आप इसे शहर में चलाते हैं तो आपको इसके फायदे मिलने वाले हैं। वहीं अगर कच्ची सड़क पर इसे चलाते हैं तो ऐसी स्थिति में आपको इसे चलाते समय परेशानियां भी हो सकती हैं। ज्यादातर शहरी क्षेत्र के लोग ही इसे पसंद कर रहे हैं। शॉर्ट व्हीलबेस होने की वजह से बहुत जल्दी ये स्पीड पकड़ लेती है। बता दें कि टीवीएस की ज्यादातर बाइक बजट में होती है। हमारे देश की सड़कों पर बहुत सारी इस कंपनी की बाइक्स देखने को मिल जाती हैं। टीवीएस रोनिन की पहचान इसकी हेडलाइट की वजह से मार्केट में एक अलग तरह की बन गई है। इसके अलावा भी यह कई ऐसे खास फीचर्स से लैस है जिसकी वजह से लोग इसे खरीदने के बाद लंबी दूरी की यात्रा भी कर रहे हैं।

सर्दी बढ़ने से वाटर गीजर हुए महंगे

नई दिल्ली । सर्दी बढ़ने के साथ ही वाटर गीजर की कीमतें बढ़ गई हैं। कारण है गीजर बनाने में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी। कारोबारियों का कहना है कि इस साल विभिन्न तरह के गीजर की कीमतों में पांच से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। नोएडा में गीजर बनाने वाली एक कंपनी के अधिकारी का कहना है कि कोरोना के बाद से ही कॉपर समेत सभी तरह के मेटल महंगे हो गए हैं। गीजर बनाने में कॉपर का काफी उपयोग होता है। जाहिर है कि इससे गीजर का निर्माण महंगा हो गया है। हालांकि उनका कहना है कि जिस तरह से कच्चे माल की कीमतें बढ़ी हैं उस तरह से फाइनल प्रोडक्ट का दाम नहीं बढ़ा है। यदि ऐसा होगा तो बाजार में और महंगी चीजें हो जाएंगी। दिल्ली के दरियागंज स्थित एक रिटेलर से के मुताबिक बाजार में 15 लीटर का गीजर 6 हजार से 10 हजार रुपए में मिल रहा है। वहीं 25 लीटर का गीजर 7 हजार रुपए से 12 हजार रुपए तक आ रहा है। रिमोट कंट्रोल से चलने वाला गीजर और महंगा हो गया है। कारोबारियों का कहना है कि छोटे गीजर 3 लीटर के होते हैं। ये 2.5 हजार से 4 हजार रुपए में मिल जाते हैं। इसका चलन बढ़ा है तो कई नामी कंपनियां भी छोटे गीजर बना रही हैं।

अमेरिका में फिर बढ़ीं ब्याज दरें 15 वर्षों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने प्रमुख ब्याज दरें एक बार फिर बढा दी हैं। यूएस फेड ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की वृद्धि की है। महंगाई में नरमी को देखते हुए इस बार फेड ने अपने आक्रामक रुख को थोड़ा कम किया है। फेडरल रिजर्व ने पिछले 0.75 फीसदी की बजाय इस बार ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत का ही इजाफा किया है। यूएस फेड ने बुधवार रात ब्याज दरों में यह बढ़ोतरी की। साथ ही केंद्रीय बैंक ने साल 2023 के आखिर तक ब्याज दरों में कम से कम 0.75 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोतरी का भी अनुमान जताया। फेड ने बरोजगारी में वृद्धि और ओ थिंक ग्रोथ के करीब-करीब रुक जाने के चलते ऐसा कहा। इससे पहले लगाचार चार बार यूएस फेड ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। अब गुरुवार को बैंक ऑफ इंग्लैंड और यूरोपियन सेंट्रल बैंक की बैठक होगी। इन पर भी निवेशकों की नजरें टिकी हुई हैं। फेड के इस फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। फेड के इस फैसले से टार्गेट रेट 4.25 से 4.50 हो गया है। यह साल 2007 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अब साल 2023 के आखिर के लिए ब्याज दर का अनुमान 5.1 फीसदी हो गया है। यह निवेशकों की उम्मीद से

अधिक है। अधिकांश अधिकारियों को साल 2024 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। साथ ही बेरोजगारी दर के साल 2023 के आखिर में बढ़कर 4.6 फीसदी हो जाने का अनुमान है। यह 2024 में भी बनी रहेगी। इस समय अमेरिका में बेरोजगारी दर 3.7 फीसदी पर है। साल 2023 में जीडीपी ग्रोथ 0.5 फीसदी रहने का अनुमान है। यह सितंबर में लगाए गए 1.2 फीसदी के अनुमान से कम है।

एसबीआई के होम ऑटो सहित सभी लोन महंगे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश के प्रमुख सरकारी बैंक एसबीआई ने लोन की ब्याज दरें बढ़ा दी है। रिजर्व बैंक के रेपो रेट बढ़ाए जाने के बाद से ही यह तय हो गया था कि अब सभी बैंकों का कर्ज महंगा हो जाएगा। इससे पहले भी निजी और सरकारी क्षेत्र के कई बैंक अपनी ब्याज दरें बढ़ा चुके हैं। अब एसबीआई ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक सभी टेन्योर वाले लोन की ब्याज दरों में 25 आधार अंक की बढ़ोती हुई है। अब बैंक की एक साल की एमसीएलआर बढ़कर 8.30 फीसदी पहुंच चुकी है। बैंक अपने होम ऑटो सहित ज्यादातर लोन की ब्याज दरें इसी एमसीएलआर के आधार पर तय करता है। इससे पहले आरबीआई ने रेपो रेट में 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी कर प्रभावी रेपो रेट 6.25 फीसदी कर दिया था। आरबीआई के इस फैसले के एक सप्ताह बाद ही एसबीआई ने भी अपना कर्ज महंगा कर दिया है।

80 के दशक में युवाओं की पंसदीदी बाइक आरएक्स100 आ रही वापस

दमदार इंजन के साथ 2026 तक होगी लांच

नई दिल्ली । (एजेंसी)

80 के दशक की सबसे तेज रफ्तार वाली सुपर बाइक जो भारत की पहली स्पीड बाइक भी थी भारत में वापसी करने को तैयार है। यामाहा कंपनी अपनी लिजेंडरी आरएक्स 100 बाइक को वापस ला रही है। हालांकि इस बार आरएक्स100 में पहले से बड़ा इंजन दिया जा रहा है। दरअसल यामाहा इंडिया के अध्यक्ष ईशिन चिहाना ने कहा था कि आरएक्स100 वापसी कर रही है। उनके मुताबिक आरएक्स100 का नाम को सहेज कर रखा गया है और अब तक किसी दूसरी मोटरसाइकिल पर इस्तेमाल नहीं किया गया है। अब कंपनी अपने समय की आइकॉनिक बाइक को वापस लाने की तैयारी कर रही है।

उम्मीद है कि नई अपकमिंग आरएक्स100 बाइक को पहले से ज्यादा दमदार इंजन के साथ लाया जाएगा। वर्तमान समय में यामाहा के पास 125 सीसी इंजन वाला फेमस रेडर 125 मॉडल है। वहीं यामाहा के 150 सीसी और 250 सीसी इंजन वाले मॉडल्स भी खूब पसंद किए जाते हैं। इसकारण उम्मीद है कि यामाहा की यह अपकमिंग बाइक 125 सीसी से 250 सीसी रेंज के बीच आ सकती है। इस इंजन के साथ आरएक्स100 सीधा रॉयल इनफिल्ड की मोटरसाइकिलों को टक्कर देगी। नई आरएक्स 100 में इंजन के साथ ही अपडेटेड डिजाइन और अपने रेट्रो लुक में पेश करने की योजना है। आरएक्स 100 का एक आधुनिक अवतार 2026 के बाद लाने की उम्मीद है क्योंकि खबर है कि कंपनी 2025 तक पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश करने की तैयारी में है। बता दें कि यामाहा आरएक्स 100 बाइक को 1985 में लांच किया गया था और उस समय यह 98 सीसी वाली टू-स्ट्रोक एयर कूल्ड इंजन के साथ आती थी। इस बाइक की खासियत थी कि यह महज 7 सेकेंड में 100 की स्पीड पकड़ सकती थी। इस स्पीड के साथ इस बाइक ने आते ही बाजार में धमाल मचा दिया था। इस वजह से बाइक को वापस लाना कंपनी के लिए एक चुनौती भी होगा।

उज्जैन के श्री महाकाल महालोक और महाकालेश्वर मंदिर से जियो ट्रू 5जी सेवा की शुरुआत

- **मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जियो ट्रू 5जी सेवा लॉन्च की**
- **श्री महाकाल महालोक अब मध्यप्रदेश का पहला जियो ट्रू 5जी कॉरिडोर बना**
- **लाखों श्रद्धालु जियो ट्रू 5जी और ट्रू5जी पावर्ड वाईफाई सेवा का लाभ मुफ्त में उठा सकेंगे**

मुंबई ।(एजेंसी)

जियो ने मध्यप्रदेश में महाकालेश्वर मंदिर और श्री महाकाल महालोक में भगवान शिव को समर्पित करते हुए जियो ट्रू5जी सेवा की शुरुआत की। आज एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जियो ट्रू 5जी और जियो ट्रू5जी पावर्ड वाई-फाई सेवा को लॉन्च किया। जियो ने कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में 5जी के फायदे बताते हुए जियो कम्युनिटी क्लिनिक और एआर-वीआर डिवाइस जियो ग्लास का डेमो भी दिया। इसके जरिए मध्यप्रदेश के लोगों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर और श्री महाकाल महालोक धार्मिक महत्व के स्थल हैं। देश और दुनिया भर से लाखों भक्त भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए हर दिन इस मंदिर में आते हैं। मध्यप्रदेश और उसके लोगों के लिए ये लॉन्च एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो जियो की ट्रू 5जी सेवाओं से अत्यधिक लाभान्वित होंगे।

मुझे बताते हुए ये खुशी हो रही है कि 30 दिन से भी कम समय में जनवरी 2023 के महीने में इंदौर में भी जियो ट्रू 5जी सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी। ट्रू 5जी के साथ आम आदमी छात्र व्यवसायी आईटी स्वास्थ्य पेशेवर के साथ कृषि शिक्षा चिकित्सा सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों और अतिरिक्त रोजगार के साथ बदलाव आएगा। 5जी नागरिकों और सरकार को वास्तविक समय के आधार पर जुड़े रहने में सक्षम बनाएगा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन और दक्षता में भी सुधार करेगा।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए जियो के प्रवक्ता ने कहा ÷हमें श्री महाकाल महालोक से जियो ट्रू 5जी सेवाएं शुरू करने का सौभाग्य मिला है जो अब मध्य प्रदेश का पहला जियो ट्रू 5जी कॉरिडोर है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैकरोन ने टीम के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जतायी

अल खोर । फ्रांस के राष्ट्रपति एमैन्युल मैकरोन अपनी टीम के विश्वकप फुटबॉल के फाइनल में पहुंचने से उत्साहित हैं। मैकरोन मोरक्को के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मुकाबले को देखने के लिए कतर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि टीम के विश्व कप फाइनल में पहुंचने से वह गौरव का अनुभवी कर रहे हैं। मैकरोन ने फीफा अध्यक्ष जियान्नी इनफेंटिनो के साथ अल बायत स्टेडियम में मैच देखा। इस मैच में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया अब फाइनल में फ्रांस का मुकाबला रविवार को अर्जेंटीना से होगा। मैकरोन ने मैच के बाद कहा''मुझे अपने देश पर गर्व है। मैं बहुत खुश हूं। मैं चाहता हूं कि फ्रांस इस खुशी का पूरा आनंद ले। वहीं उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली अफ्रीका की पहली टीम मोरक्को की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा '' मोरक्को ने बहुत अच्छा खेला। मैं मोरक्को के लोगों से कहना चाहता हूं कि उनके पास शानदार टीम है। मैं उन्हें हमारी दोस्ती के बारे में बताना चाहता हूं। गौरतलब है कि मोरक्को पर 1912 से 1956 के बीच फ्रांस का शासन था इस इस मैच की राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी थी। मैकरोन ने कहा कि वह रविवार को फाइनल मैच देखने फिर कतर आयेंगे। उन्होंने कहा कि वह मैच से पहले कोई अनुमान नहीं लगाते पर सेमीफाइनल से पहले उन्हें अपनी टीम की जीत का भरोसा था और उन्होंने यह कहा भी था।

आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों को खरीदने बोली लगाएंगी दस टीमें 405 खिलाड़ी शामिल

सनराइजर्स हैदराबाद के पास है सबसे अधिक जबकि केकेआर के पास सबसे कम रकम

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सत्र के लिए कोच्ची में 23 दिसंबर को होने वाली नीलामी में सभी दस टीमें बेहतर खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए बोली लगाएंगी। साल 2023 की नीलामी एक मिनी ऑक्शन है इसलिए कई फ्रेंचाइजियों ने खिलाड़ियों को पहले से ही अपनी टीम में रखा है। अभी सभी टीमों के पास 10 से 16 खिलाड़ी हैं। इस नीलामी में हर टीम अपने लिए ज्यादा से ज्यादा 25 खिलाड़ी खरीद सकती है। इसे लिए सभी टीमों के पास करोड़ों की राशि बची है। सबसे अधिक राशि 42.25 करोड़ रुपये सनराइजर्स हैदराबाद के पास बची है। वहीं सबसे कम 7.05 करोड़ रुपये कोलकाता नाइट राइडर्स के पास है। इसे देखा जाये तो सनराइजर्स सबसे महंगे खिलाड़ियों को खरीद सकती है।

खिलाड़ियों का सबसे अधिक आधारमूल्य दो करोड़ जबकि सबसे कम 20 लाख रुपये रखा गया है।

आईपीएल 2023 के अंतिम नीलामी पूल में 405 खिलाड़ी शामिल हैं। इन 405 खिलाड़ियों में से 273 भारतीय और 132 अन्य देशों के खिलाड़ी हैं। इसमें चार सहयोगी देशों के खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलमी में 119 कैप्ड (अनुभवी) खिलाड़ी 282 अनकैप्ड (गैर) अनुभवी खिलाड़ी और सहयोगी देशों के 4 खिलाड़ी हैं। अभी कुल 87 स्लॉट हैं जिनमें से 30 विदेशी खिलाड़ियों के लिए बुक हैं।

नीलामी दोपहर 2:30 बजे शुरू होगी। नीलामी को दर्शक स्टार स्पोर्ट्स चैनल्स पर देख सकेंगे। .

आईपीएल 2023 नीलामी के लिए आधार मूल्य :

2 करोड़ रुपये: नाथन कूल्टर-नाइल कैमरन ग्रीन ट्रैविस हेड क्रिस लिन टॉम बैंटन सैम करेन क्रिस जॉर्डन टाइमल मिल्स जेमी ओवरटन क्रेग ओवरटन आदिल राशिद फिल सॉल्ट बेन स्टोक्स एडम मिल्ने जिम्मी नीशम केन विलियमसन रिले राउसी रासी वैन डेर डूसेन एंजेलो मैथ्यूज निकोलस पूरन जेसन होल्डर.

1.5 करोड़ रुपये: सीन एबॉट रिले मेरेडिथ झाय रिचर्डसन एडम जाम्पा शाकिब अल हसन हैरी ब्रूक विल जैक्स डेविड मलान जेसन रॉय शेरफेन रदरफोड.

1 करोड़ रुपये: मयंक अग्रवाल केदार जाधव मनीष पांडे मोहम्मद नबी मुजीब उर रहमान मोइसेस हेनरिक्स एंड्रयू टाय जो रूट ल्यूक वुड माइकल ब्रेसवेल मार्क चैपमैन मार्टिन गप्टिल काइल जैमीसन मैट हेनरी टॉम लैथम डेरिल मिचेल हेनरिक क्लासेन तबरेज शम्सी कुसल परेरा रोस्टन चेज रहकीम कॉर्नवाल शाई होप अकील हुसैन डेविड विसे.

75 लाख रुपये: रीस टॉपले वेन पार्नेल डैनियल सैम्स जोशुआ फिलिप ईश सोढ़ी टॉम करन डी'आर्सी शॉर्ट डेविड पायने कार्लोस ब्रैथवेट.

50 लाख रुपये: अजिंक्य रहाणे सिकंदर रजा ओडियन स्मिथ लिटन दास कुसल मेंडिस इशांत शर्मा जयदेव उनादकट मयंक मारकंडे मनदीप सिंह पॉल स्टर्लिंग दासुन शनाका रोमारियो शेफर्ड तस्कीन अहमद दुष्मंता चमीरा ब्लेसिंग मुजरबानी संदीप शर्मा जॉनसन चार्ल्स आंद्रे फ्लेचर बेन मैकडरमॉट लोरकन टकर पीयूष चावला अमित मिश्रा शाहबाज नदीम रीजा हेंड्रिक्स क्रिस्टियान जोंकर ब्रैंडन किंग करुण नायर पथुम निस्संका गुरकीरत सिंह हैरी टेक्टर नजीबुल्लाह जादरान कैस अहमद चरित असलंका डोमिनिक ड्रेक्स जॉर्ज गार्टन चमिका करुणारत्ने संदीप वारियर बेन ड्वार्शुइस रिचर्ड ग्लीसन नवीन उल हक लाहिरू कुमारा जोशुआ लिटिल दिलशान मदुशंका मोहित शर्मा बिली स्टानलेक अफीफ हुसैन गेलेइजन सिसंडा मगाला धनंजय सिल्वा डुनिथ वेलालेज वरुण आरोन शेल्डन कॉटरेल डेरिन डुपाविलन धवल कुलकर्णी बरिंदर सरां ग्लेंटन स्टुअरमैन फैबियन एलेन करीम जनत केशव महाराज पवन नेगी कीमो पॉल.

40 लाख रुपये: शिवम मावी विल स्मिड रेहान अहमद जॉर्डन थॉम्पसन थॉमस हेल्म जेम्स फुलर बेनी हॉवेल.

30 लाख रुपये: केएम आसिफ लांस मौरिस अपूर्व वानखेड़े अनिकेत चौधरी.

20 लाख रुपये: शुभम खजूरिया रोहन कुन्नुमल चेतन एल.आर. शेख रशीद अनमोलप्रीत सिंह हिम्मत सिंह कॉर्बिन बॉश प्रियम गर्ग सौरभ कुमार विवरांत शर्मा निशांत सिंधु संवीर सिंह शशांक सिंह समर्थ व्यास के.एस. भरत मोहम्मद अजहरुद्दीन दिनेश बाना अभिमन्यु ईश्वरन एन जगदीशन सुमित कुमार उपेंद्र सिंह यादव वैभव अरोड़ा मुकेश कुमार यश ठाकुर मुजतबा यूसुफ मुरुगन अश्विन चिंतल गांधी श्रेयस गोपाल एस मिधुन इजहारुलहुक नवीद हिमांशु शर्मा सचिन बेबी हरप्रीत भाटिया अश्विन हेब्बर पुखराज मान अक्षत रघुवंशी हिमांशु राणा शॉन रोजर विराट सिंह मनोज भांडगे गेराल्ड कोएत्ज़ी मयंक डागर डुआन जॉनसन इवान जोन्स प्रेरक मांकड़ आबिद मुश्ताक सूर्यांश शेडगे जगदीश सुचित आकाश वशिष्ठ रिकी भुई डोनोवन फरेरा बाबा इंद्रजीत शेल्डन जैक्सन आर्यन जुयाल उर्विल पटेल किरंत शिंदे लवनिथ सिसोदिया विष्णु सोलंकी विष्णु विनोद विद्वाथ कावेरप्पा राजन कुमार रवि कुमार सुशांत मिश्रा अर्जन नागवासवाला इशान पोरेल आकाश सिंह बासिल थम्पी पॉल वान मीकेरेन व्यासक विजय कुमार एस.अजित राम सत्यजीत बछाव तेजस बरोका युवराज चुडासमा पीटर हत्जोग्लू कार्तिक मयप्पन सुयश शर्मा शिवम शर्मा प्रियांश आर्य मैथ्यू ब्रीट्ज़के शिवम चौहान राहुल गहलौत सुदीप घरामी सी. हरि निशांत अमनदीप खरे भानु पानिया एकांत सेन आकाश सिंह।

हॉकी विश्व कप में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती पेश करेगा आस्ट्रेलिया: अजीत पाल

नई दिल्ली: महान हॉकी खिलाड़ी अजीत पाल सिंह का मानना है कि घरेलू सरजमीं पर होने वाले विश्व कप में भारत के लिये सबसे बड़ा खतरा आस्ट्रेलियाई टीम होगी जिससे मेजबानों को उनसे मिलने वाली कड़ी चुनौती से निपटने के लिये अपनी पूरी क्षमता से खेलना होगा। आस्ट्रेलिया ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक मैच में भारत को 7-0 से शिकस्त दी थी। सिंह ने कहा कि मेजबान एकजुट खेलकर ही आस्ट्रेलिया की चुनौती से पार पा सकते हैं। विश्व कप विजेता (1975) टीम के कप्तान सिंह ने कहा,''भारतीय टीम को प्रत्येक मैच को अति महत्वपूर्ण मुकाबले के तौर पर लेना चाहिए। हां, आस्ट्रेलिया मुश्किल टीम है, लेकिन उन्हें अपनी पूरी क्षमता से खेलना होगा। जीतना या हारना खेल का हिस्सा है, लेकिन आप हर वक्त अपना सर्वश्रेष्ठ करते हो। विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जायेगा जिसमें 16 टीमें ट्राफी के लिये एक दूसरे से भिड़ेंगी। भारत को पूल डी में वेल्स, स्पेन और इंग्लैंड के साथ रखा गया है।

5वें टाटा ओपन महाराष्ट्र के क्वालीफायर का मुख्य आकर्षण होंगे युकी और येमेर

(एजेंसी)

भारत के युकी भांबरी और बीते संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट इलियास येमेर टाटा ओपन महाराष्ट्र के पांचवें संस्करण के एकल क्वालीफायर में खेलते नजर आएंगे। इस साल के लिए क्वालीफाइंग ड्रॉ में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा है और यहां कट ऑफ 243 है। टाटा ओपन महाराष्ट्र पर आईएमजी के स्वामित्व है और इसे राइज वर्ल्डवाइड द्वारा प्रबंधित किया जाता है। पुणे में पांचवें वर्ष के लिए महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन द्वारा 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक बालेवाड़ी स्टेडियम में इसका आयोजन किया जाएगा। दक्षिण एशिया के एकमात्र एटीपी 250 इवेंट ने कैलेंडर के शुरूआती सप्ताह में वापसी की है। भांबरी ने 127 की सुरक्षित रैंकिंग के आधार पर क्वालीफायर में जगह बनाई है। टाटा ओपन महाराष्ट्र के टूर्नामेंट निदेशक प्रशांत सुतार ने कहा, भारतीय नाम को लाइन-अप में देखना हमेशा अच्छा लगता है क्योंकि इतना बड़ा टूर्नामेंट आयोजित करने का हमारा मुख्य उद्देश्य- भारतीय खिलाड़ियों को प्रेरित करना और उनकी भागीदारी को बढ़ाना है। जैसा कि हमने पहले मुख्य ड्रॉ में देखा था, आयोजकों के रूप में, हम क्वालीफायर में मजबूत विदेशी नामों को देखकर भी खुश हैं। स्पेशल पांचवां संस्करण रोमांचक होने वाला है। एमएसएलटीए इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से टाटा समूह द्वारा स्पांसर्ड है। पिछले साल टाटा ओपन महाराष्ट्र में पूर्व जूनियर विश्व नंबर-1 भांबरी ने चोट से वापसी की। इस चोट ने युकी को दो साल तक खेल से दूर रखा था। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी चुनौती खत्म की थी।अखिल भारतीय टेनिस संघ के संयुक्त सचिव और एमएसएलटीए के सचिव सुंदर अय्यर ने कहा, मजबूत खिलाड़ियों का समूह होने से हमेशा अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मैच होते हैं और यह फैंस को बड़ी संख्या में आकर्षित करता है। पिछले साल येमेर ने अपने सनसनीखेज प्रदर्शन और क्वालीफायर से सेमीफाइनल में

पहुंचने तक के सफर से कई लोगों का ध्यान खींचा था। इस साल की लाइन-अप समान रूप से मजबूत दिखती है और यह फैंस के साथ-साथ आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक मनोरंजक सप्ताह होने जा रहा है। इस दौरान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक्शन में लाइव देखने को मिलेगा। 26 वर्षीय येमेर पिछले संस्करण में अच्छी लय में थे।

संक्षिप्त समाचार

टाटा स्टील ओडिशा में एफआईएच मेन्स विश्व कप 2023 का आधिकारिक भागीदार बना

टाटा स्टील लिमिटेड ने एफआईएच ओडिशा हॉकी मेन्स विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला का आधिकारिक भागीदार बनने के लिए हॉकी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एफआईएच मेन्स विश्व कप प्रतिष्ठित आयोजन का 15वां सीजन है, जो ओलंपिक के साथ-साथ पुरुषों के लिए शीर्ष टूर्नामेंट है और 13 जनवरी से 29 जनवरी, 2023 तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होगा। सहयोग पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम एफआईएच ओडिशा हॉकी मेन्स विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के आधिकारिक भागीदार के रूप में टाटा स्टील का अपने परिवार में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। टाटा स्टील ने भारतीय हॉकी को बढ़ावा देने, खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और इस विश्व कप को और भी शानदार बनाने में जबरदस्त योगदान दिया है। हम एक उपयोगी सहयोग की आशा करते हैं। इस अवसर पर टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के उपाध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने कहा, भारत में खेलों के एक प्रतिबद्ध और दीर्घकालिक संरक्षक के रूप में, टाटा स्टील को एक बार फिर हॉकी पुरुष विश्व कप के साथ जुड़ने पर गर्व है। ओडिशा राज्य को राष्ट्रीय खेल के केंद्र के रूप में पहचाना जाने लगा है और टाटा स्टील इस यात्रा का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा है। हम टूर्नामेंट को शुभकामनाएं देते हैं और आशा करते है कि यह भविष्य में और अधिक युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। सहयोग पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम एफआईएच ओडिशा हॉकी मेन्स विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के आधिकारिक भागीदार के रूप में टाटा स्टील का अपने परिवार में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। टाटा स्टील ने भारतीय हॉकी को बढ़ावा देने, खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और इस विश्व कप को और भी शानदार बनाने में जबरदस्त योगदान दिया है। हम एक उपयोगी सहयोग की आशा करते हैं।

मिलनाडु में मिनी स्टेडियम बनाएंगे : उदयनिधि

चेन्नई । तमिलनाडु के नये खेल मंत्री बने उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि वह राज्य को खेलों का केन्द्र बनाने का प्रयास करेंगे। उदयनिधि ने कहा कि वह खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राज्य के सभी जिलों में मिनी स्टेडियम विकसित करेंगे। इस युवा नेता ने कहा कि अपने पिता के मंत्रिमंडल में मंत्री बनने पर हो रही आलोचना से वह चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब वह डीएमके यूथ विंग के राज्य सचिव बने तब भी उन्हें इस तरह की आलोचना का सामना करना पड़ा था। अभिनेता से नेता बने उदयनिधि ने कहा कि वह उस फिल्म में अभिनय नहीं कर पाएंगे जिसमें उन्होंने तमिल सुपरस्टार कमल हासन के साथ काम करने के लिए करार किया था।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम साउदी करेंगे कप्तानी

वेलिंग्टन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम तेज गेंदबाज टिम साउदी की कप्तानी में पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। कीवी टीम इस दौरे में 26 दिसंबर से टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के ठीक पहले केन विलियमसन ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में साउदी को कप्तान बनाया गया है। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बाउल्ट और काइल जैमीसन को टीम में शामिल नहीं किया गया है। स्पिनर ईश सोढ़ी औरबल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स इस दौरे में शामिल रहेंगे। न्यूजीलैंड टीम के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि पाक से मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। स्टीड ने कहा यह एक नया अनुभव और इस तरह की चुनौती होने जा रही है जो हमारी टीम को प्रेरित करती है। हमारी नजरें इंग्लैंड के खिलाफ पाक की मौजूदा टेस्ट सीरीज पर रहेंगी। विशेष रूप से मुल्तान और कराची में आयोजित सीरीज के अंतिम दो टेस्ट मैचों पर जहां टेस्ट कप्तान के रूप में टिम साउदी अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए नजर आयेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले लाल गेंद सीरीज 2021-23 चक्र में न्यूजीलैंड के लिए अंतिम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सीरीज है। न्यूजीलैंड टीम इस बार खराब प्रदर्शन के कारण खिताब बचाने की दौड़ से पहले ही बाहर हो गयी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया भारत और दक्षिण अफ्रीका इस प्रतियोगिता के

शिखर मुकाबले में जगह बनाने की दौड़ में हैं। दोनों टीमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलेंगी। यह सीरीज 26 दिसंबर को कराची में बॉक्सिंग डे टेस्ट के साथ शुरू होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम : टिम साउदी (कप्तान) माइकल ब्रेसवेल टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर) डेवोन कॉनवे मैट हेनरी टॉम लैथम डेरिल मिशेल हेनरी निकोल्स एजाज़ पटेल ग्लेन फिलिप्स ईश सोढ़ी ब्लेयर टिकनर नील वैगनर केन विलियमसन विल यंग।

रणजी ट्रॉफी में 4 साल बाद अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी राजस्थान टीम

जयपुर । शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्राफी में इस बार बार राजस्थान की टीम करीब 4 साल बाद अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। यह मुकाबले जयपुर के एसएमएस स्टेडियम और जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में होंगे। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के अनुसार जोधपुर में पहली बार रणजी मुकाबला खेला जाएगा। बीसीसीआई की ओर से पहले घरेलू मैदान पर टीमों के मैच के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी पर अब रणजी खेलने वाली टीमों को उनके घरेलू मैदान पर भी मैच के आयोजन की अनुमति मिल गई है. हालांकि इस दौरान अन्य जगह से क्यूरेटर पिच तैयार करने के लिए पहुंचेंगे। बीसीसीआई कैलेंडर के अनुसार 20 दिसंबर को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान और केरला के बीच रणजी मुकाबला होगा। इसके बाद 3 जनवरी को राजस्थान और झारखंड के बीच सवाई मानसिंह स्टेडियम पर मुकाबला होगा। वहीं 17 जनवरी को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम पर राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बीच मैच होगा। जोधपुर के इसी मैदान पर राजस्थान और सर्विसेज के बीच 24 जनवरी को एक अन्य रणजी मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान टीम के लिए इस बार ट्रॉफी में अपनी ताकत दिखने का अवसर रहेगा।

विश्वकप फुटबॉल में मोरक्को का सफर समाप्त फ्रांस फाइनल में पहुंचा

दोहा । फीफा विश्वकप फुटबॉल सेमीफाइनल में फ्रांस के हाथों मिली 2-0 की हार के साथ ही मोरक्को का अभियान समाप्त हो गया। वहीं फ्रांस की टीम खिताबी मुकाबले में पहुंच गयी। मोरक्को को हार जरुर मिली पर उसने उम्मीद से बेहतर खेलते हुए पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। अब रविवार को होने वाले फाइनल में फ्रांस और अर्जेंटीना के बीच मुकाबला होगा। पहले सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने क्रोएशिया को हराया था। वहीं मोरक्को की टीम अब तीसरे स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में शनिवार को क्रोएशिया से खेलेगी। सेमीफाइनल में हार के हार के बाद भी मोरक्को के प्रदर्शन की सभी ने सराहना की है। विश्वकप की शुरुआत में किसी ने नहीं सोचा था कि मोरक्को की टीम यहां तक पहुंचेगी। मोरक्को की टीम इससे पहले कभी इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में भी नहीं पहुंची थी। वह विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम रही है। मोरक्को से पहले कैमरून 1990 सेनेगल 2002 और घाना 2010 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। सेमीफाइनल में रैंकिंग और रिकॉर्ड के मामले में फ्रांस की टीम मोरक्को से काफी आगे थी पर इसके बाद भी मोरक्को के खेल से सभी हैरान थे। खेल के 27वें मिनट में मोरक्को को पेनल्टी मिलनी चाहिए थी पर थियो हर्नांडेज ने मोरक्को के सोफियान बाउफल को गिरा दिया था। मोरक्को की पेनल्टी अपील ठुकरा दी गई। साथ ही बाउफल को पीला कार्ड दिखाया गया। मैच में आधे से अधिके समय तक गेंद मोरक्को के खिलाड़ियों के पास रही। इससे साफ है कि मोरक्को कहीं से भी पीछे नहीं रही।

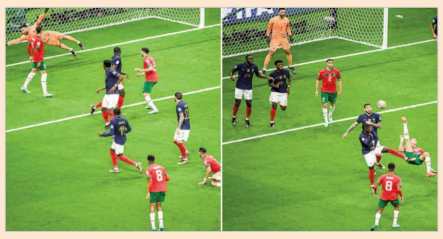

लक्की रहा कि पहले ओवर में विकेट मिल गया: कुलदीप यादव

चटगांव,

भारतीय चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के बाद कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि उन्हें पहले ओवर में विकेट मिल गया। कुलदीप ने 22 महीने के लम्बे अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की और बांग्लादेश की पहली पारी में चार विकेट झटककर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कुलदीप ने दिन के खेल के बाद कहा, हां मैं नर्वस था शुरूआत में, मैं लक्की रहा कि पहले ओवर में विकेट मिल गया और मूमेंटम मेरी ओर आ गया। अगले कुछ ओवर में अच्छा महसूस होने लगा। अलग एंगल और गेंद को दोनों ओर टर्न करा रहा था। चाइनामैन गेंदबाज ने कहा, एक साल हो गया है मैंने अपनी रिदम पर काम किया और अपनी गति बढ़ाई। इससे मुझे मदद मिली जिससे टर्न भी मिला। राउंड द विकेट जब मैं मेहदी के खिलाफ आया तो अक्टूबर में मैंने इंडिया ए के लिए मैचों में भी राउंड द विकेट गेंदबाजी की थी। भारत की पहली पारी में महत्वपूर्ण 40 रन बनाने वाले कुलदीप ने कहा, हां मैं जब बल्लेबाजी कर रहा था तो लग रहा था कि स्पिनरों को मदद नहीं मिलेगी, मुझे भी कोई दिक्कत नहीं हो रही थी। इस तरह के विकेट पर कूकाबुरा बॉल के साथ गेंदबाजी करते हुए हमेशा बाउंस मिलता है। चाइनामैन गेंदबाज ने कहा, एक साल हो गया है मैंने अपनी रिदम पर काम किया और अपनी गति बढ़ाई। इससे मुझे मदद मिली जिससे टर्न भी मिला। राउंड द विकेट जब मैं मेहदी के खिलाफ आया तो अक्टूबर में मैंने इंडिया ए के लिए मैचों में भी राउंड द विकेट गेंदबाजी की थी।

रणजी में मावी की शानदार गेंदबाजी से उत्तर प्रदेश ने बंगाल को करार जवाब दिया

कोलकाता । उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज शिवम मावी ने यहां रणजी ट्रॉफी के नए सत्र में बंगाल के खिलाफ शानदार गेंदबाली करते हुए छह विकेट लिए हैं। मावी ने 18.3 ओवर में 55 रन देकर 6 विकेट लिए। इससे बांग्ला की टीम अपनी पहली पारी में 43.3 ओवर में ही 169 रन पर सिमट गयी। कोलकाता के ईडन गार्डेंस मैदान में हो रहे एलीट ग्रुप-ए के इस मैच में टीमों के गेंदबाज हावी रहे। बंगाल ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बंगाल टीम ने उत्तर प्रदेश को पहली पारी में 198 रन पर ही आउट कर दिया। ईशान पोरेल ने 5 और प्रीतम चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिए। इसके बाद बंगाल की भी बल्लेबाजी के दौरान विफल रही। बंगाल की ओर से मावी ने 55 रन देकर 6 विकेट लिए थे। मावी ने बंगाल के शीर्ष क्रम को पूरी तर ध्वस्त कर दिया। इस तेज गेंदबाज ने प्रीतम चक्रवर्ती सुदीप कुमार अभिषेक दास शाहबाज अहमद कप्तान मनोज तिवारी और आकाशदीप को आउट किया। मावी को आईपीएल 2022 की मेगा ऑक्शन में केकेआर ने 7.25 करोड़ रुपये में खरीदा था पर आईपीएल 2022 में उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। मावी ने आईपीएल 2022 के 6 मैच में केवल पांच विकेट ही लिए थे। इससे पहले आईपीएल 2021 में भी वो केकेआर की तरफ से खेलते हुए 9 मैच में 11 विकेट ही ले पाये। इस प्रकार पिछले दो सत्र में मावी के औसत प्रदर्शन को देखते हुए केकेआर ने आईपीएल 2023 की मिनी निलामी से पहले इस गेंदबाज को रिलीज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के विरोध के बीच गोधरा ट्रेन अग्निकांड के दोषी को जमानत दी

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड के एक दोषी को जमानत दे दी। इसी घटना के बाद गुजरात में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने कहा कि दोषी 17 साल से जेल में है और उसकी भूमिका ट्रेन पर पत्थर फेंकने की थी। पीठ ने कहा कि आरोपी फारूक द्वारा दायर की गई जमानत की अर्जी मंजूर की जाती है और यह नोट किया जाता है कि वह 2004 से हिरासत में है और आरोप साबित होने के खिलाफ उसकी अपील भी शीर्ष अदालत में लंबित है। इसमें कहा गया है कि आवेदक को सत्र अदालत द्वारा लगाए गए नियमों और शर्तों के अधीन जमानत दी जाती है। राज्य सरकार के मुताबिक आरोपियों ने भीड़ को उकसाया और कोच पर पथराव किया यात्रियों को घायल किया और कोच को क्षतिग्रस्त कर दिया। गुजरात सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चूंकि दोषी पत्थर फेंक रहा था इसने लोगों को जलती हुई कोच से बाहर निकलने से रोका। उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में पत्थर फेंकना कम गंभीर अपराध हो सकता है लेकिन इस मामले में यह अलग था। शीर्ष अदालत ने मेहता की सभी अपीलों को सूचीबद्ध करने के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया जिसमें सजा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा दायर अपील भी शामिल है। मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने 31 लोगों को दोषी ठहराया था जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। कुल 63 अभियुक्तों को बरी कर दिया गया था। अक्टूबर 2017 में गुजरात उच्च न्यायालय ने सभी की सजा को बरकरार रखा लेकिन 11 की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। गौरतलब है 2। फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के एस-6 कोच में आग लगा दी गई थी। जिसमें महिला पुरुष और बच्चों समेत 59 यात्रियों की आग में जलकर मौत हो गई थी। इस अग्निकांड के बाद गुजरातभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे।

भारतीय एसोसिएशन ऑफ गाइनेकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट (IAGE) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन

सूरत । पहली बार गुजरात में और उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से, राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय एसोसिएशन ऑफ गाइनकोलॉजिकल एंडोस्कोपिस्ट (IAGE) द्वारा किया गया है। भारतीय संगठन ने 15 दिसंबर से 18 दिसंबर तक वर्ष 2022 के दूरबीन के सबसे बड़े स्त्री रोग विज्ञान के सबसे बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। 100 से अधिक चिकित्सा विशेषज्ञ विभिन्न समस्याओं के उपचार पर अपने कौशल को प्रदर्शित करेंगे जैसे कि रक्तस्राव, शून्य, गर्भाशय या डिम्बग्रंथि ट्यूमर, साथ ही साथ 500 से अधिक डॉक्टरों को इस चार -दिन स्त्री रोग विशेषज्ञों के सम्मेलन द्वारा भाग लिया जाएगा।

इस मेगा सम्मेलन की सटीकता का आयोजन IAGE अध्यक्ष डॉ. भास्कर पाल, इराज गुजरात अध्याय के प्रमुख डॉ. महेश गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, प्रमुख विशेषज्ञों, समिति के सदस्यों और डॉ का सहयोग सम्मेलन को सुजल मुंशी, डॉ. सेजल नाइक और सह -मित्र मित्रों के सहयोग से सार्थक बनाया गया है।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में, 15 दिसंबर को, सर्जरी को दुनिया भर में पहली बार बेली एंड लव, वीक, विभिन्न प्रकार के 10 स्त्री रोग संबंधी बीमारियों से प्रसारित किया जाएगा। जिनका चेन्नई से लाइव डेमोशन। माला राज, मुंबई से डॉ. हेमेंट कानोजिया, कोयंबटूर डॉ से डॉ. दामोदर राव, जामनगर से डॉ. आनंद, सूरत डॉ. सेजल नायक और डॉ. अश्विन ऐसा करेंगे। इस सम्मेलन के पहले तीन दिनों से 60 से अधिक विभिन्न प्रकार की सर्जरी की जाएगी। और इस कौशल में आने वाले प्रत्येक युवा स्त्री रोग विशेषज्ञ को अपने रोगियों को उच्चतम उपचार सीखने और प्रदान करने की योजना है।

इस तरह, एक सम्मेलन में, 60 से अधिक दूरबीन गुजरात में पहली बार होगा जो स्त्री रोग संबंधी सर्जरी करके रोगियों को लाभ प्रदान करता है। जिसमें गुजरात के विभिन्न शहरों जैसे अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, जामनगर, भुज आदि का आधुनिक तकनीक के साथ इलाज किया गया है।

सूरत। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत जैन इंस्टीट्यूट परमात्मा पार्श्वनाथ भगवान के जन्म और पूरे सूरत शहर और मैसूर में दीक्षित कल्याणक के अवसर को वितरित करेगा। सूरत शहर के नागरिकों को भगवान के जन्मदिन के अवसर पर अपने मुंह को मीठा करना चाहिए और हमेशा यह कामना करना चाहिए कि उनके परिवार में खुशी और स्वास्थ्य रहे। संगठन पूरे शहर में 20,000 से अधिक लाड़ प्यार और 800 किलोग्राम से अधिक मैसूर वितरित करेगा। श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ में भगवान के शानदार इशारे, पुष्प सजावट और भगवान के जननांगों में रोशनी होगी। लाखों भक्तों की भीड़ यात्रा करेगी।

केरल टूरिज्म ने ठंड के मौसम में सैलानियों को आकर्षित करने की योजना बनाई

सूरत। त्यौहारों के दौरान अपनी पहल की सफलता से प्रेरित होकर, जिसने घरेलू पर्यटकों की संख्या में भारी उछाल ला दिया था, केरल टूरिज्मव ने ठंड के मौसम के लिये कई सारे प्रोग्राम तैयार किए है। इन पहलों की मदद से केरल टूरिज्मव भारी संख्या में देश के भीतर और विदेशी सैलानियों को आकर्षित करना चाहता है।

पर्यटन मंत्री, श्री पीए मोहम्मद रियाज ने कहा कि अभी-अभी खत्म हुआ त्यौहारी मौसम, केरल टूरिज्म के लिये काफी सकारात्मक रहा। बड़ी संख्या में घरेलू सैलानी राज्य पहुंचे और यह कोविड-19 के बाद, पर्यटन के आकर्षण को मजबूत कर रहा है।

उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, "हमें केरल में सर्दियों की छुट्टियों को और भी ज्यादा बड़े पैमाने पर प्रचारित करने का इंतजार है, यह राज्य टाइम मैगजीन में 2022 में देखे जाने वाले दुनिया के 50 अद्भुत ठिकानों में शामिल है। इस राज्य की कई सारी खासियतें, हाउसबोट्स, कारवां स्टे, जंगल लॉज, प्लांटेशन विजिट, होमस्टे, आयुर्वेद-आधारित वेलनेस सॉल्यूशंस और कंट्रीवाइड वॉक के अलावा एडवेंचर एक्टिविटीज, जिसमें हरी-भरी पहाड़ियों की ट्रेकिंग शामिल है, जैसे विभिन्न प्रकार के अनुभवों में निहित पर्यटकों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

हाल ही में संपन्न चैंपियंस बोट लीग (सीबीएल) ने देश भर से हजारों पर्यटकों, ट्रैवल ब्लॉगर्स और ट्रैवल फोटोग्राफरों को आकर्षित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, दिसंबर 2022-अप्रैल 2023 के दौरान आयोजित होने वाली विश्व स्तर पर मशहूर कोच्चि-मुजिरिस बाइनिएल (केएमबी) भारत और विदेशी, दोनों पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

पर्यटन प्रमुख सचिव, श्री केएस श्रीनिवास ने बताया कि राज्य के पर्यटन और अतिथि-सत्कार उद्योग को महामारी के पहले जैसी मजबूती हासिल हो चुकी है। उन्होंने कहा, "यह इस बात से साबित होता है कि केरल में मौजूदा साल की पहली तीन तिमाहियों में एकए साल पहले की समान अवधि की तुलना में घरेलू

पर्यटकों की संख्या् में रिकॉर्ड तोड़ 196 प्रतिशत का उछाल देखा गया है।" केरल ने इस सितंबर तक नौ महीनों में कुल 1,33,80,000 घरेलू पर्यटकों को दर्ज किया, जो पूर्व-कोविड 2019 की समान अवधि की तुलना में 1.49 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।

श्री श्रीनिवास ने राज्य का रुख बदल देने वाले कारवां पर्यटन, 'केरावन केरल' का भी जिक्र किया, जिसे बहुत ही कम समय में इस इंडस्ट्री की ओर से बहुत ही बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा, "हमारा प्रयास,पर्यटकों को ऐसे अनदेखी जगहों को दिखाने का है जोकि हमारे खूबसूरत राज्य में स्थित हैं।"

वेल्सपन इंडिया ने 'अल्टिमा बाय वेल्सपन' और 'स्पेसेस' नाम वाले लगभग 81 लाख रुपये के नकली उत्पापदों का पता लगाया

मुंबई। होम टेक्सटाइल्स में दुनिया की प्रमुख कंपनी वेल्सपन इंडिया ने हाल ही में लगातार बढ़ रही नकली उत्पादों की गड़बड़ी का सामना किया है। वेल्सपन की टीम ने कंपनी की नकली चादरों की पहचान की, जो कहाँ से आई थीं, इसे लेकर संदेह था और उन्हीं कंपनी की प्रीमियम लाइन 'स्पेसेस' और 'अल्टिमा बाय वेल्सपन' के तहत पूजा कॉम्प। लेक्सर फर्स्ट फ्लोर, गोडाउन/ वेयरहाउस नंबर 105, भिवंडी, ठाणे में पैक कर बेचा और वितरित किया जा रहा था।

वेल्सपन की टीम ने तुरंत इसकी पहचान कर धोखेबाजी की सूचना दी और उत्पाकदों को पहचानने तथा सत्यापित करने की कार्यवाही की, ताकि नकल को रोका जा सके। आईपी टीम ने 2220 "अल्टिमा बाय वेल्सपन'' चादरों की पहचान की, जिनकी कीमत 71,01,780 रूपये थी और 245 "स्पेसेस'' चादरों की पहचान की गई, जिनकी कीमत 9,79,755 रूपये थी। 80,81,535 रूपये कीमत की कुल 2465 चादरों को बाद में मौके पर मौजूद पुलिस की टीम ने जब्ता किया और 71 बड़े कार्टून्सप में पैक किया। आईपी टीम ने 'अल्टिमा बाय वेल्सपन' और 'स्पेस' के पैकेजिंग मटेरियल्सट भी प्राप्तक किये और उन्हें भी पुलिस ने 2 बड़े कार्टून्सम में जब्तन किया।

बाद में, आधी रात को नारायण मारुति सालुंखे के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई, जो उक्तय वेयरहाउस के संचालक हैं।

वेल्सपन इंडिया के विषय में

वेलस्पनन इंडिया लिमिटेड (डब्यूसि आईएल) 2.7 बिलियन डॉलर के वेल्सपन ग्रुप का हिस्साप और होम टेक्सपटाइल्सि में दुनिया की प्रमुख कंपनी है। 50 से ज्या्दा देशों में एक वितरण तंत्र और भारत में विश्वस स्त्रीय विनिर्माण सुविधाओं के साथ वेल्सपन विश्वू के शीर्ष रिटेलर्स की रणनीतिक भागीदार है। कार्य की चुस्त और लचीली संरचना को अपनाकर, कार्यशील पूंजी के सक्षम प्रबंधन को अपनाने और अपने मौजूदा मार्केट सेगमेंट्स में विस्ताार कर वेल्सपन अपने साझीदारों के लिये हर कदम पर महत्वस का निर्माण करने की कोशिश में रहती है। वेल्सपन इंडिया ने अपने साझीदारों के परिचालन की हर अवस्थाो में उनका आनंद बढ़ाने के लक्ष्य से ईएसजी का एक संपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। कंपनी का लक्ष्या स्थायी विकास की राह पर व्यवस्थित ढंग से प्रगति करने के लिए एक रणनीतिक नक्शे के दम पर शक्तिशाली सकारात्म क प्रभाव को बढ़ावा देना है। डब्लू आइएल ब्रांडिंग, नवाचार और स्थायित्वा पर आधारित अपनी अलग रणनीति से संचालित है। *एमएलडी- मिलियन लीटर्स प्रति दिन (क्षमता)

Integra Essentia प्रमुख विस्तार और विविधीकरण की योजना बना रही है

BSE (535958) और ह्रस्थ (ESSENTIA)-सूचीबद्ध Integra Essentia Limited ने घोषणा की कि चूंकि कंपनी ने अगस्त 2022 में एक संयुक्त उद्यम समझौते के तहत प्रसंस्करण सुविधा का अधिग्रहण किया था, इसलिए बरेली इकाई ने भारतीय खाद्य निगम (FCI) के लिए 2200 मीट्रिक टन चावल का प्रसंस्करण किया है। इस प्रकार विभिन्न प्रदान करते हुए आवंटित FCI स्थानों पर उत्पाद की आपूर्ति करते हैं।

कंपनी द्वारा अपने चावल प्रसंस्करण व्यवसाय का विस्तार करने के लिए बरेली इकाई में हिस्सेदारी खरीदने के बाद रु. 1.25 करोड़ ने नई कार्यशील पूंजी भी प्रेरित की है, जिसके परिणामस्वरूप रुपये का विनिर्माण राजस्व हुआ है। 4.6 करोड़ जोड़े गए हैं।

जैसे-जैसे सुविधा का कारोबार बढ़ता है, कंपनी चरणबद्ध तरीके से चावल प्रसंस्करण व्यवसाय में निवेश करना जारी रखेगी। कंपनी ने अपने निर्यात कारोबार का विस्तार करने के लिए एक समर्पित टीम बनाने का भी फैसला किया है, जिसकी शुरुआत मध्य पूर्वी बाजार से हुई है, जो 20 से अधिक देशों में चावल के वैश्विक वितरण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

इंटेग्रा एस्सेन्टिया लिमिटेड ने पहले घोषणा की थी कि उसने मौजूदा शेयरधारकों के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते के माध्यम से बरेली, उत्तर प्रदेश में एक चावल प्रसंस्करण सुविधा में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल कर ली है, जिसमें इंटेग्रा एस्सेन्टिया वर्तमान में संयुक्त उद्यम इकाई में 66% हिस्सेदारी रखती है।

मल्टी ब्रांड रिटेल स्टोर के कारोबार में लगी कंपनी ऑन डोर कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में पर्याप्त हिस्सेदारी हासिल करने के लिए कंपनी ने एक समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) में प्रवेश किया है। ऑन डोर छोटे शहरों के एक मिनी डीज्मार्ट की तरह है जो पहले से ही टीयर 3, 4, 5 शहरों में गहराई तक प्रवेश कर चुका है और 45 शहरों/कस्बों में 100+ स्टोर के साथ आधुनिक व्यापार लाभ के साथ पहला प्रस्तावक बन गया है।

सूरत पहुंची सिने प्राइम की वेब सीरीज "एल लग गए" की टीम

सूरत । साहिल आनंद, वेदिका भंडारी, इमरान नज़ीर खान सहित कई कलाकारों से सजी वेब सीरीज "एल लग गए" 9 दिसम्बर को सिने प्राइम ओटीटी पर रिलीज कर हो गई है, जिसको दर्शकों द्वारा काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। पिछले महीनों से सिटी टूर पर निकली इस वेब सीरीज "एल लग गए" की टीम आज सूरत पहुँच गई है। इसके एक्टर इमरान नजीर खान अपने प्रोजेक्ट का प्रोमोशन सूरत में कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज में जहां वेदिका और साहिल आनंद की केमिस्ट्री कमाल की है वहीं इमरान नजीर खान का किरदार भी काफी फनी है, जो दर्शकों को हंसाने पर मजबूर कर रहा है। इस रोचक वेब सीरीज के सपोर्ट के लिए एक्ट्रेस कियारा दीवान और एक्टर सरन तिवारी (जीएसटी) भी सूरत आए हैं, जो अपने फैन्स से एल लग गए के बारे में बता रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सिने प्राइम के संस्थापक मनीष शर्मा और उनकी टीम गुलाबी नगरी जयपुर, ताजनगरी आगरा और अहमदाबाद भी गई थी। और अब यह टीम सूरत में है, कलाकारों ने शहर की सुंदरता भी देखी और अपनी सीरीज के बारे में कई दिलचस्प बातें बताई।

सिने प्राइम की ये वेब सीरीज एल लग गए अपने टाइटल की तरह बड़ी अनोखी है।

इसकी कहानी दर्शकों को खूब एंटरटेन कर रही है। दो प्रेमियों की शादी हो रही होती है और इस बीच लॉक डाउन की घोषणा हो जाती है। उसके बाद उनकी जिंदगी में, उनके रिश्तेदारों और दोस्तों की जिंदगी में क्या टर्न ट्विस्ट आता है। इसी रोचक सब्जेक्ट पर बेस्ड है वेब सीरीज़ "एल लग गए"।

टीवी शो रोडीज़ से मशहूर हुए अभिनेता साहिल आनंद का इस वेब सीरीज के बारे में कहना है कि इस में मेरी प्रेमिका से मेरी शादी हो रही होती है, कि लॉक डाउन लग जाता है अब उसके बाद क्या क्या होता है उसके लिए आपको एल लग गए सीरीज देखनी पड़ेगी। कॉमेडी के तड़के के साथ यह एक भरपूर फैमिली ड्रामा है।

डॉलेक्स एग्रोटेक ला रही है 15 दिसंबर को रू2,438.80 लाख का आईपीओ एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा

डोलेक्स एग्रोटेक लिमिटेड, जो कैप्टिव पावर सह-उत्पादन क्षमताओं के साथ चीनी के निर्माण और व्यापार के व्यवसाय में जुडी है, अपना रू2,438.80 लाख का आईपीओ लेकर आ रही है। निर्गम रू10 के अंकित मूल्य और रू35 प्रति शेयर के मूल्य के साथ 6,968,000 शेयरों का है, लॉट 4000 शेयर के होंगे। इसे रू10 के 4,968,000 शेयरों (कुल मिलाकर रू17.39 करोड़ तक) को फ्रेश इश्यू के लिए और रू10 के 2,000,000 शेयरों (रू7.00 करोड़ तक) को ऑफर ऑन सेल (बिक्री के प्रस्ताव) के लिए विभाजित किया गया है। इश्यू 15 दिसंबर को खुलेगा और 20 दिसंबर 2022 को बंद होगा। इसे बाद में एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का लीड मैनेजर है और स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।

इस इश्यू के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
2. सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए
3. इश्यू के खर्च को पूरा करने के लिए

2013 में निगमित, डॉलेक्स एग्रोटेक लिमिटेड कैप्टिव पावर सह-उत्पादन क्षमताओं के साथ चीनी के निर्माण और व्यापार के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी अपने उप-उत्पादों जैसे मोलासेस, प्रेस्ड और खोई का उत्पादन और बिक्री भी करती है। खोई का उपयोग बिजली पैदा करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, कंपनी 3 मेगावाट की कैप्टिव बिजली तक बिजली उत्पादन में लगी हुई है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में गुड़ पाउडर, चीनी, मोलासेस, खोई, प्रेस मड और फार्मा-ग्रेड चीनी शामिल हैं। किसानों से गन्ना उत्पादन लेने के लिए सरकार द्वारा कंपनी को 7600 हेक्टेयर क्षेत्र आवंटित किया गया है। यह खेती के विभिन्न चरणों में पर्याप्त प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करता है, इस प्रकार इन किसानों की वफादारी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2018 में, कंपनी ने मध्य प्रदेश में सह-उत्पादन क्षमताओं के साथ-साथ गन्ने से चीनी निर्माण का अपना परिचालन शुरू किया। कंपनी का प्लांट 2500 TCD की पेराई क्षमता के साथ, मध्य प्रदेश के गांव एराई

में स्थित है। इसे 200 किलो लीटर प्रति दिन की क्षमता वाले डिस्टिलरी प्लांट के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसे वित्त वर्ष 2024 तक स्थापित करने का इरादा है। कंपनी चीनी और इथेनॉल पर सहायक सरकारी नीतियों के साथ उज्ज्वल संभावनाओं के लिए तैयार है।

कंपनी ने वार्षिक आधार पर प्रभावशाली वित्तीय वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2022 में इसकी आय रू 7,962.58 लाख थी, जो वित्त वर्ष 2021 में रू 7748742 लाख और वित्त वर्ष 2020 में रू 2590708 लाख थी। वित्त वर्ष 2023 के प्रथम त्रिमासिक के लिए इसकी आय रू840.81 लाख थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)